बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 24 जुलाई 2026 | दिन - शुक्रवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 178 | मूल्य - 5 रुपये

कॉक्रोच जनता पार्टी ने किया शुक्रवार को संपूर्ण देशव्यापी प्रदर्शन का आहवान..

सरकार की बातचीत की पेशकश को ठुकराया

नई दिल्ली, (भाषा)।

कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने बृहस्पतिवार को 24 जुलाई को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने का देशव्यापी आह्वान किया और लोगों से हर जिले में प्रदर्शन करने की अपील की। कॉजपा ने बातचीत के लिए सरकार के प्रस्ताव को ठुकराते हुए जोर दिया कि कोई भी बातचीत सिर्फकिसी निष्पक्ष जगह

पर ही होनी चाहिए। कॉजपा ने यह भी कहा गया कि पेपर लीक के खिलाफ कार्रवाई पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा में जवाबदेही के मुद्दे या नीट पेपर लीक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मुख्य मांग का समाधान नहीं हुआ। सरकार ने आज बातचीत की एक और अपील की। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के सरकारी आवास या उनके कार्यालय में हो सकती है। नड्डा ने भी कॉजपा को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन संगठन के नेताओं ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और अपनी इस मांग पर अड़े रहे कि वे केवल किसी निष्पक्ष जगह पर ही बैठक करेंगे।

शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन के आह्वान पर कॉजपा ने कहा कि देश भर में 'हर जिला, एक दिन, एक मांग' के नारे के तहत सभाएं की जाएंगी। इन सभाओं में शामिल लोग प्रदर्शनकारियों की मांगें पढ़कर सुनाएंगे और 20 जुलाई को दिल्ली में पुलिस की कार्रवाई में घायल हुए छात्रों, अभिभावकों और अन्य लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करेंगे। यह देशव्यापी आह्वान तब आया जब जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन एक नए चरण में प्रवेश कर गया; इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा कड़ी रही, विरोध स्थल के आसपास पाबंदियां जारी रहीं और 20 जुलाई की पुलिस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक हमले तेज हो गए।

कॉजपा के विरोध-प्रदर्शन जारी रहने के बीच बृहस्पतिवार शाम 14 घंटे से ज़्यादा समय तक बंद रहने के बाद राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार खोल दिए गए, जबकि 13 अन्य स्टेशन बंद ही हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मंडी हाउस, राजीव चौक और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश द्वार अब खुल गए हैं।'' इससे पहले दिन में डीएमआरसी ने सुरक्षा कारणों से राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय, मंडी हाउस, आईटीओ और खान मार्केट समेत 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद कर दिया था। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जंतर-मंतर के 1.5 किलोमीटर के दायरे में मध्यरात्रि तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं।

पाबंदियों के बावजूद, विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर भीड़ बढ़ती गई और लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत सरकार के खिलाफ नारे लगाते रहे। कॉजपा ने यह भी आरोप लगाया कि उसके आंदोलन को बाधित करने की कोशिशें की जा रही थीं। कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि विरोध स्थल पर गड़बड़ी पैदा करने और बाद में प्रदर्शनकारियों पर दोष मढ़ने के लिए ''बाहरी लोगों'' और ''भाजपा के गुंडों'' को भेजा जा रहा है। हालांकि, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। कॉजपा के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सादे कपड़ों में कुछ युवक लाठियां लिए हुए प्रदर्शनकारियों को धमकाते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे ही एक व्यक्ति ने जंतर-मंतर पर एक नाबालिग प्रदर्शनकारी के पिता पर हमला किया था। उन्होंने मांग की कि दिल्ली पुलिस सख्त कानूनी धाराएं लगाए और आरोपी को हिरासत में ले। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या ''बाहरी लोग'' और ''आदतन अपराधी'' प्रदर्शनों में शामिल हुए थे और हिंसा में उनकी कोई भूमिका थी। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने बृहस्पतिवार को कहा कि छात्रों की छवि को नकारात्मक रूप में दिखाया जाना ''बेहद दुखद'' है।

भारी बारिश से गुजरात में हुए बाढ़ जैसे हालात, 1,200 को बचाया गया..

22,000 लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए..

अहमदाबाद, (भाषा)।

दक्षिण गुजरात के एक बड़े हिस्से में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। प्रभावित इलाकों में फंसे लगभग 1,200 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जबकि 22,000 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वलसाड जिले के उमरगांव तालुका में बीते 36 घंटों के दौरान रिकॉर्ड 1,200 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बारिश से नवसारी और वलसाड जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सूरत, अहमदाबाद, खेड़ा, तापी और डांग में भी बुधवार से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि अकेले वलसाड में करीब 1,200 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। वहीं, वलसाड और पड़ोसी जिले नवसारी से मिलाकर 22,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित जिलों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य के आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात किया गया है। इसके अलावा, राहत और बचाव कार्यों के लिए नवसारी और वलसाड जिलों में सेना की दो टुकड़ियों को भी तैनात किया गया है। गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, वलसाड जिले की उमरगांव तालुका में बुधवार सुबह 6 बजे से बृहस्पतिवार शाम 6 बजे तक 36 घंटों के भीतर 1,200 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। कैबिनेट मंत्री जीतू वाघानी ने बताया कि राहत आयुक्त गौरांग मकवाणा ने शुक्रवार को सभी प्रभावित जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद रखने की घोषणा की है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात की और बारिश से प्रभावित जिलों के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राहत आयुक्त गौरांग मकवाणा ने संवाददाताओं को बताया, ''अब तक वलसाड में 12,000 से अधिक और नवसारी में 10,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नवसारी जिले में विभिन्न स्थानों पर फंसे 50 से अधिक लोगों को और वलसाड में 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।''

उन्होंने पहले बताया था कि अकेले उमरगांव तालुका में लगभग 1,200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। वलसाड, नवसारी और सूरत की सभी नदियां उफान पर हैं, जिससे आसपास के इलाकों और गांवों में पानी भर गया है। एसईओसी के अनुसार, नवसारी जिले के चिखली और खेरगाम तालुका में बुधवार सुबह 6 बजे से 36 घंटों के भीतर क्रमशः 800 और 650 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

दक्षिण गुजरात के जिलों के अलावा, अहमदाबाद और खेड़ा जिलों में भी बृहस्पतिवार को मूसलाधार बारिश हुई। एसईओसी के आंकड़ों के मुताबिक, अहमदाबाद के ढोलका तालुका में सुबह 6 बजे समाप्त हुए 12 घंटों में 339 मिमी बारिश दर्ज की गई। अहमदाबाद में भारी बारिश के कारण कई आवासीय सोसायटियों और सड़कों पर जलभराव हो गया। 225 मिमी से अधिक बारिश दर्ज किए जाने के बाद शहर में लोग लंबे ट्रैफिक जाम में फंसे रहे।

तापी और डांग दो अन्य ऐसे जिले रहे जहां भारी बारिश हुई। इन जिलों के 23 तालुकाओं में बृहस्पतिवार को महज 12 घंटों के भीतर 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार तक भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, डांग, नर्मदा, वडोदरा, छोटा उदयपुर, पंचमहल और दाहोद जिलों के लिए रेड अलर्ट'' (भारी से बहुत भारी बारिश) और अहमदाबाद, गांधीनगर, साबरकांठा, भरूच, आणंद तथा खेड़ा जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट (भारी से बहुत भारी बारिश) जारी किया है।

मकवाणा ने कहा, नवसारी के खेरगाम, सूरत के उमरपाड़ा और वलसाड के उमरगांव में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई और आगे भी और बारिश का अनुमान है। प्रभावित जिलों में एसडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई हैं, जबकि एनडीआरएफके जवानों को भी सेवा में लगाया गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने बताया कि वलसाड में एनडीआरएफ की तीन और एसडीआरएफकी दो टीमें तैनात की गई हैं। वहीं, नवसारी और वलसाड जिलों के लिए ओडिशा से विशेष विमान से एनडीआरएफ की चार और टीमें भेजी जा रही हैं।

जग प्रेरणा live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

कलेक्टर मृणाल मीना ने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा आयुष विभाग की योजनाओं की समीक्षा की..

कुपोषण मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी, सिकल सेल एवं मलेरिया नियंत्रण पर दिए सख्त निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने गुरुवार 23 जुलाई को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा आयुष विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी श्री अभिषेक सराफभी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा से हुई। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित रूप से वजन एवं ऊंचाई मापकर उसकी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को इस कार्य की रैंडम जांच करने तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने कुपोषित बच्चों को समय पर आवश्यक दवाओं का वितरण सुनिश्चित करने तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि एनआरसी में भर्ती बच्चों के अभिभावकों को शासन द्वारा निर्धारित मजदूरी क्षतिपूर्ति राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

कुपोषित बच्चों की पहचान में संतोषजनक कार्य नहीं मिलने पर लालबर्रा, बैहर, वारासिवनी, खैरलांजी, लांजी एवं बिरसा के बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं का समय पर अनमोल पोर्टल पर पंजीयन एवं उनकी चार अनिवार्य एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं के नियमित संपर्क एवं भ्रमण का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। साथ ही एएनएम एवं सीएचओ को उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं अन्य गैर-संचारी रोगों के मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में क्षय रोग उन्मूलन के लिए व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाने, अधिक से अधिक एक्स-रे मशीनों का उपयोग कर संभावित मरीजों की पहचान करने तथा उपचाररत टीबी मरीजों को निक्षय अभियान के अंतर्गत सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से फूड बास्केट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सिकल सेल रोग की पहचान एवं उपचार के लिए भी विशेष अभियान चलाने तथा वर्षा ऋतु को देखते हुए वन क्षेत्रों के गांवों में मलेरिया की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुष विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी आयुष चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने और सार्थक ऐप के माध्यम से अनिवार्य उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले आयुष चिकित्सकों का वेतन रोका जाए तथा इसी आधार पर वेतन आहरित किया जाए। इसके अलावा जिला आयुष अधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पोषण वाटिका एवं हर्बल गार्डन विकसित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री देवेन्द्र सुन्द्रियाल, सहायक संचालक श्री प्रशांतदीप ठाकुर, जिला आयुष अधिकारी डॉ. सवेदिता कुमरे, सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबालिग के बलात्कारी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदंड की सजा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मान. विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) श्रीमान गौतम सिंह मरकाम, जिला बालाघाट ने न्यायालय के विशेष प्रकरण थाना भरवेली के अपराध क्रमांक 180/2022 में आरोपी दर्शन मसराम पिता सोहनसिंह मसराम उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम

बघोली पुलिस थाना परसवाड़ा जिला बालाघाट को धारा 366 भादवि में 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3000/-रू जुर्माना तथा 6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 7000/- रुपये अर्थदंड से दंडित किया। धारा 376 (2) एन भादवि के दण्ड को धारा 6 पॉक्सो एक्ट के अपराध के दण्डादेश में समाविष्ट किया गया है। श्री कपिल कुमार डहेरिया, सहायक संचालक/ विशेष लोक अभियोजक, बालाघाट द्वारा प्रकरण में सशक्त पैरवी की गई। विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डहेरिया ने बताया कि वर्ष 2022 में आरोपी नाबालिग को बहला-फुसलाकर नागपुर ले गया था, जहां उसने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत और पुलिस जांच के बाद आरोपी के खिलाफपॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया गया। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने 23 जुलाई 2026 को आरोपी को दोषी करार देते हुए उक्त सजा सुनाई।

बालाघाट में मनाया गया युगपुरुष सदगुरु स्वामी टेऊंराम जी महाराज का जन्मोत्सव..

जगप्रेरणा बालाघाट।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम बालाघाट में आचार्य सदुरु स्वामी टेऊँराम जी महाराज का 140 वां जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा विश्वास एवं उल्लास से मनाया गया। इस उपलक्ष में 17 जुलाई को रंगोली प्रतियोगिता एवं 18 जुलाई को बच्चों के नृत्य का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बड़े ही संख्या में श्रद्धालुओं एवं सेवादारियों ने सेवा का लाभ लिया।

21 जुलाई को गोंदिया से पधारे संत श्री भोलाराम जी का आगमन हुआ। इस अवसर पर संतो द्वारा प्रभात फेरी, हवन यज्ञ , 56 भोग , दीप प्रज्वल, एवं प्रेम प्रकाश ग्रंथ वह श्रीमद् भागवत गीता के पाठों का बड़े ही ज्ञान पूर्वक पठान किया गया एवं इस अवसर पर शाम 6:00 पालकी यात्रा बड़े ही धूमधाम से प्रेम प्रकाश आश्रम से निकल गई जो की नगर भ्रमण करते हुए प्रेम प्रकाश आश्रम में समाप्त हुई तत्पश्चात संतों का भाव या एवं ज्ञान पूर्वक सत्संग आयोजित हुआ इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु न.पा. की टास्क फोर्स बैठक सम्पन्न

थोक कचरा उत्पादकों के पंजीयन, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं जनभागीदारी पर दिया गया जोर

जगप्रेरणा बालाघाट।

नगर पालिका परिषद बालाघाट में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, निगरानी एवं स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से निकाय स्तरीय मल्टी-टायर्ड मॉनिटरिंग टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने की।

बैठक में परियोजना अधिकारी (संयुक्त कलेक्टर) श्री राहुल नायक, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री योगेश बिशेन, स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे, योजना शाखा सभापति श्रीमती योगिता विनय बोपचे, नियोजन सभापति श्री कमलेश पांचें, जल शाखा सभापति श्री समीर जैसवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में नगर की स्वच्छता व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण, स्त्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में थोक कचरा उत्पादकों पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले अथवा निर्धारित क्षेत्रफल एवं जल खपत वाले होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, विवाह भवन, मैरिज हॉल तथा अन्य बड़े संस्थानों को अपने परिसर में ही गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, प्रसंस्करण एवं वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। नियमों का पालन सभी संबंधित संस्थानों के लिए अनिवार्य रहेगा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ बालाघाट के निर्माण में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति लगातार जागरूक करने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारी (संयुक्त कलेक्टर) श्री राहुल नायक ने सभी चिन्हित संस्थानों का सर्वे कर उनका पंजीयन करने, नियमित मॉनिटरिंग करने तथा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि नगर पालिका द्वारा क्ङ्कत्र संस्थानों की पहचान, नियमित निरीक्षण एवं निगरानी के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। साथ ही घर-घर कचरा संग्रहण, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, जनजागरूकता अभियान एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। बैठक में सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं धार्मिक ट्रस्टों की सक्रिय भागीदारी पर भी जोर दिया गया। समिति ने निर्णय लिया कि स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अंत में समिति ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, निर्धारित समय पर ही कचरा संग्रहण वाहन को कचरा दें, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं।

बालाघाट में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

जगप्रेरणा बालाघाट।

राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के तहत अंतिम प्रकाशन के संबंध में गुरुवार 23 जुलाई को कलेक्ट्रेट में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे (आईएएस) ने की।

बैठक में निर्वाचन प्रवर सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन) श्री दीपक चौरगड़े, इलेक्शन सुपरवाइजर तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और इंडियन नेशनल कांग्रेस (कांग्रेस) के प्रतिनिधियों ने मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव और विचार रखे।

बैठक के दौरान डुप्लीकेट मतदाताओं पर की जा रही कार्रवाई, ऑनलाइन मतदाता पंजीयन, दावा-आपत्ति केंद्रों की स्थापना एवं उनके निराकरण, राजनीतिक दलों को मतदाता सूची उपलब्ध कराने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की एक-एक प्रति उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदान की गई।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी.एस. धुर्वे ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाए रखते हुए आयोग के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बन सके।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

मुद्दा उठा तो जागी नगर पालिका: संजय वार्ड के सामुदायिक भवन में हुई सफाई..

जगप्रेरणा सिवनी।
शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। बारिश के मौसम में जहां शहर के प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, नालियों की सफाई और गंदगी हटाने की आवश्यकता होती है, वहीं कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका का रवैया बेहद सुस्त नजर आता है। इसी लापरवाही का एक उदाहरण संजय वार्ड के सामुदायिक भवन परिसर में देखने को मिला, जहां लंबे समय से सफाई व्यवस्था बदहाल बनी हुई थी।

संजय वार्ड के आम नागरिक और शफीक खान द्वारा सामुदायिक भवन सहित वार्ड की सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार आवाज उठाई गई। गंदगी और अव्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद आखिरकार नगर पालिका परिषद सिवनी की नींद खुली और नगर पालिका का अमला सफाई टीम के साथ मौके पर पहुंचा।

नगर पालिका की टीम द्वारा सामुदायिक भवन परिसर में सफाई अभियान चलाया गया और जमा गंदगी को हटाया गया। सफाई होने के बाद क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली, लेकिन इस कार्रवाई के साथ ही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं।

सवाल यह है कि क्या हर समस्या के लिए आवाज उठाना जरूरी है?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नगर पालिका को अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए हर बार किसी नागरिक या जनप्रतिनिधि को आवाज उठानी पड़ेगी? क्या सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी करना नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं है? क्या बारिश के मौसम में संक्रमण फैलने की आशंका वाले स्थानों की पहले से पहचान कर सफाई कराना नगर पालिका के अधिकारियों का दायित्व नहीं है?

संजय वार्ड में सफाई, पानी, बिजली और अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर शफीक खान लगातार अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं। उनका कहना है कि आम जनता को अपने अधिकारों और मूलभूत सुविधाओं के लिए बार-बार अधिकारियों को जगाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। नगर पालिका को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन स्वतः करना चाहिए।

बारिश के मौसम में बढ़ता है संक्रमण का खतरा..

बारिश के मौसम में जगह-जगह जमा गंदगी, कचरा और गंदा पानी लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। यदि समय पर सफाई नहीं की जाए तो गंदगी और जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ सकता है। ऐसे में नगर पालिका परिषद को केवल शिकायत या मुद्दा उठाए जाने के बाद ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से सफाई व्यवस्था की निगरानी करनी चाहिए। शहर के सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को गंभीरता दिखाने की आवश्यकता है।

सफाई के बाद भी निगरानी जरूरी..

संजय वार्ड के सामुदायिक भवन में सफाई होने के बाद निश्चित रूप से क्षेत्र के नागरिकों को राहत मिली है, लेकिन अब सवाल यह भी है कि क्या यह सफाई व्यवस्था नियमित रूप से जारी रहेगी या कुछ दिनों बाद फिर वही गंदगी और अव्यवस्था देखने को मिलेगी?

नगर पालिका परिषद को चाहिए कि सफाई के बाद भी नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि नागरिकों को बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर आवाज न उठानी पड़े।

शफीक खान द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद नगर पालिका अमले ने सफाई तो कर दी, लेकिन यह कार्रवाई नगर पालिका की जिम्मेदारी पर एक बड़ा सवाल छोड़ गई है–

'क्या हर बार जनता को आवाज उठानी पड़ेगी, या नगर पालिका अपनी जिम्मेदारी खुद निभाएगी?'

कांग्रेस ने मनाया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालगंगाधर तिलक एवं महान क्रांतिकारी शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी का जन्म दिवस

जगप्रेरणा सिवनी।
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालगंगाधर तिलक एवं महान क्रांतिकारी शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी का जन्म दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में मनाया गया, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी, जिला कांग्रेस प्रवक्ता जेपीएस तिवारी द्वारा देश के महान सपूतो के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने पुष्पअर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने देश के अमर शहीदों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बालगांधर तिलक जी ने देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई। अंग्रेजों के खिलाफ भारतीय नागरिको को एक जूट करने का काम किया था। उन्होंने स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है जिसे मैं लेकर रहूँगा का नारा दिया। चन्द्रशेखर आजाद जी ने बहुत ही कम आयु में देश के स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में भाग लेना प्रारंभ कर दिया था। असहयोग आंदोलन के समय जब अंग्रेजो ने उन्हें गिरफ्तार कर उनसे नाम और पता पूछा तो उन्होंने अपना नाम आजाद पिता का नाम स्वतंत्र और पता जेल लिखवाया। भारतीयो पर किये जा रहे अत्याचार से दुखी होकर अंग्रेस अफसर को गोली मारने के बाद गिरफ्तार नही हुए उन्हें आजाद रहना पसंद था और अंग्रेजो की गोली का शिकार होकर वह शहीद हो गए।

आजादी के बाद देश में एक एसी सरकार स्थापित हुई है जो छात्र छात्राएँ अपनी शिक्षा के लिए अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहें हे उनके साथ अंग्रेजो से भी ज्यादा बर्बरता पूर्वक व्यवहार किया गया है। भाजपा सरकार की इस हिटलरशाही रवैया को देश हमेशा याद रखेगा।

इस अवसर पर जिला संगठन महासचिव हाजी मो. हनीफखान, विष्णु करोसिया, प्रकाश सूर्यवंशी, राजिक अकील, तेजसिंह रघुवंशी, रंजीत यादव, विनोद नामदेव, ठा. जयप्रकाशसिंह परिहार, नब्बू भाई, टीकाराम पटले, श्रीमती पवनरेखा रिनायत, गणेश भगत, सतेन्द्र बघेल, कमलेश कुमार नागवंशी की उपस्थिति रही।

सरेखा लालोपर मार्ग पर फिर बाढ़ का संकट

स्कूल से लौटे मासूम एक घंटे तक नाले के किनारे फंसे, पुलिया की मांग फिर हुई तेज..

जगप्रेरणा सिवनी।
केवलारी विकासखंड के सरेखा लालोपर मार्ग की वर्षों पुरानी समस्या एक बार फिर सामने आई है। बरसात के कारण नाले में उफान आने से स्कूल से लौट रहे मासूम छात्र छात्राएं घंटों रास्ते में फंसे रहे। सवाल यह है कि आखिर इन बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है। केवलारी क्षेत्र के ग्राम सरेखा और लालोपर को सिवनी मंडला मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले नाले पर पुल या पुलिया नहीं होने का खामियाजा एक बार फिर ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ा, स्कूल की छुट्टी के बाद शाम करीब 5 बजकर 10 मिनट पर छात्र छात्राएं सरेखा मार्ग पर पहुंचे, लेकिन तब तक नाले का पानी तेजी से बढ़ चुका था। शाम 6 बजे तक भी जलस्तर कम नहीं हुआ। लगभग एक घंटे तक बच्चे नाले के दोनों ओर अपने परिजनों से अलग खड़े रहे। एक ओर मासूम बच्चे थे तो दूसरी ओर उनके माता-पिता, लेकिन बीच में उफनता नाला उनकी बेबसी का कारण बना रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। हर वर्ष बरसात में यही हालात बनते हैं। लगभग 100 से 150 विद्यार्थी कई दिनों तक स्कूल और कॉलेज नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है और भविष्य पर भी असर पड़ता है। कुछ दिन पहले ही केवलारी में आयोजित जनसुनवाई में सरेखा और लालोपर के ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों ने जिला कलेक्टर के समक्ष इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने नाले पर स्थायी पुल या पुलिया निर्माण की मांग करते हुए ज्ञापन भी सौंपा था, ताकि बरसात के दिनों में बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों का आवागमन बाधित न हो। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि समय रहते पुल निर्माण की अनुशंसा कर शासन स्तर पर पहल की गई होती, तो आज बच्चों को इस तरह जोखिम उठाकर घर नहीं लौटना पड़ता।

स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब नाला उफान पर था, तब मौके पर न तो पुलिस बल तैनात था और न ही प्रशासन की ओर से किसी कर्मचारी की व्यवस्था की गई थी, जो बच्चों और ग्रामीणों को जोखिम भरे रास्ते से गुजरने से रोक सके। ऐसे में यदि कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले पर जल्द से जल्द स्थायी पुल या पुलिया का निर्माण कराया जाए और जब तक निर्माण नहीं होता, तब तक बरसात के दौरान सुरक्षा और वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सवाल यही है कि हर साल दोहराई जाने वाली इस समस्या का स्थायी समाधान आखिर कब होगा, क्या इस बार प्रशासन सरेखा लालोपर के बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा को प्राथमिकता देगा, या फिर यह मुद्दा भी वर्षों की तरह केवल आश्वासनों तक ही सीमित रहेगा, अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और शासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

आजादी के 70 वर्ष बाद भी आधा किलोमीटर भी नहीं बनी रोड..

कम आबादी होने के कारण नहीं मिल रही मार्ग को स्वीकृति

जगप्रेरणा सिवनी।
आजादी के 70 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी बरघाट विकासखंड के अंतर्गत आने वाली बम्होडी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेलुआ के लड़ैययां टोला क्षेत्र में कहने को तो प्राथमिक शाला है और इस गांव में अधिकांश लोग दैनिक मजदूरी करने वाले रहते हैं लेकिन विडंबना है कि यहां पर सिवनी से बरघाट जाने वाले मार्ग से लड़ैययां टोला तक पहुंचने के लिए लगभग आधा किलोमीटर का मार्ग ना बनाए जाने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बारिश के मौसम में तो आलम यह है कि वहां तो दूर की बात पैदल चलना भी मुश्किल होता है लेकिन ग्राम पंचायत में अनेकों बार इस मार्ग के निर्माण को लेकर अपनी बात रखी लेकिन जनपद पंचायत बरघाट के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने इस मार्ग के निर्माण को लेकर कभी रुचि नहीं ली है जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि अगर इस क्षेत्र में कोई बीमार पड़ जाए तो उसे सिवनी या बरघाट ले जाना भी कठिन है। इस क्षेत्र में जनप्रतिनिधि सिर्फचुनाव के वक्त ही आते हैं बाकी समय यहां की समस्याओं के निराकरण को लेकर कोई रुचि नहीं लेता है जिसका उदाहरण यह मार्ग है।

गौरतलब है कि बरघाट रोड से कलुआ के लड़ाईया टोला तक पहुंचाने के लिए के लिए जो मार्ग है वहां पर मनरेगा के अंतर्गत कच्ची रोड के निर्माण का पत्थर तो गड़ा है लेकिन रोड का पता नहीं है प्रवेश द्वार पर ही स्थित हनुमान जी का प्राचीन चमत्कारी मंदिर है जहां लोग दर्शन के लिए तो आते हैं लेकिन ओला वासी मार्ग न होने के कारण मंदिर के दर्शन से भी वंचित रहते हैं लोगों ने मांग की है कि अगर इस मार्ग का निर्माण शीघ्र नहीं किया गया तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे इस मामले को लेकर सरपंच रामनाथ हनुमंत का कहना है कि हमने अनेकों बार इसका प्रस्ताव बनाकर जनपद पंचायत के अधिकारी के समक्ष रख चुके हैं लेकिन उन्होंने पता नहीं किस कारण से इस मार्ग के निर्माण को लेकर रुचि नहीं ली जिसका उदाहरण आज तक यह मार्ग दुर्दशा का शिकार है।

अगर इस क्षेत्र में एक दिन बारिश हो जाए तो एक सप्ताह तक इतनी अधिक कीचड़ होती है कि लोगों को हफ्तों यहां से आने-जाने में लोहे के चने चबाने जैसी मेहनत करने पड़ती है ग्राम पंचायत का कहना है कि अनेकों बार प्रस्ताव बनाकर जनपद पंचायत बरघाट के समक्ष रखा गया लेकिन यह मार्ग न बनने का यह भी कारण माना जा रहा है कि इस टोले में कम आबादी है इस कारण संबंधित मार्ग निर्माण को लेकर रुचि नहीं ले रहे हैं अतः जिला पंचायत अधिकारी एवं जिला कलेक्टर से अनुरोध है कि इस मार्ग के निर्माण को लेकर उचित पहल कर लोगों को होने वाली परेशानी से राहत दिलाएंगे।

कांग्रेस ने अम्बेडकर प्रतिमा के सामने देर रात तक धरना प्रदर्शन कर की नारेबाजी..

जगप्रेरणा सिवनी।
नीट पेपर लीक से नाराज देश के युवाओं ने दिल्ली की जंतर मंतर पर विगत कई दिनों से देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के स्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन प्रारंभ किया।

20 जुलाई भाजपा सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस एवं भाजपा से जुड़े कुछ संगठनों द्वारा छात्र-छात्राओं को बुरी तरह पीटा, महिलाओं के साथ अभद्रता की उनकी बर्बरता को देखकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद आ गई, जिस तरह अंग्रेजो द्वारा देश की आजादी के दिवानो के आंदोलनों को कुचलने के लिए ज्यादती की जाती थी। छात्रों की पीटाई और पुलिस के गैर जिम्मेदाराना रवैये को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के साथ कांग्रेस के 100 सांसदो के साथ प्रधानमंत्री आवास के सामने शांति पूर्ण धरना दिया, सांसदो से बात करना तो दूर की बात उल्टा राहुल गांधी और सांसदो को पुलिस द्वारा जानवरो की तरह व्यवहार करते हुए गिरफ्तार किया गया, राहुल गांधी के कपड़े फट गए, नाक से खून आने लगा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राहुल गांधी एवं सांसदो को गिरफ्तार किये जाने के विरोध में रात में ही धरना प्रदर्शन करने को कहा।

जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा अध्यक्ष नरेश मरावी के नेतृत्व में रात 9 बजे से अम्बेडकर प्रतिमा के सामने देर रात तक धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई, भारी संख्या में पुलिस बल बुलाया गया। इस अवसर पर हाजी मो. असलम खान, सुरेन्द्र करोसिया, विष्णु करोसिया, अतुलचंद मालू, राजिक अकील, शिव सनोडिया, तनवीर अहमद, आदित्य मोन्टू भूरा, विजय उइके, नितिन डहेरिया, नब्बू भाई, शिबू सेंगर, शिवदीप डहेरिया, राजू यादव, मोहसिन खान, धनंजय सिंह, आरिफ सफरी, आबिद हुसैन, वसीम रायल, शहबाज खान सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

रुकसाना बेगम बनी दादी, शुभचिंतको ने दी बधाई..

जगप्रेरणा सिवनी।
सिवनी के प्रतिष्ठित नागरिक इंजीनियर मरहूम डब्लू डी खान एवम् श्रीमती रुकसाना बेगम के बेटे इंजीनियर आमिर खान

की धर्मपत्नी ने बीते दिवस नगर के एक निजी नर्सिंग होम में स्वस्थ पुत्री को जन्म दिया हैं, इंजीनियर आमिर खान के पिता एवम् रुकसाना बेगम के दादी बनने पर रिश्तेदारों ईष्ट मित्रों एवम् शुभ चिंतकों ने बधाई देते हुए नवजात शिशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अकबर वार्ड सहित कई गलियों में रातभर गुल रह रहीं स्ट्रीट लाइटें..

कर्मचारियों की लापरवाही..

जगप्रेरणा सिवनी।
नगर पालिका अंतर्गत बारापत्थर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अकबर वार्ड सहित नगर के कई गली-मोहल्लों में लगे बिजली के खंभों की लाइटें रात में बंद रह रही हैं।

अंधेरा होने के कारण नागरिकों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका के इस कार्य में लगे कर्मचारी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कई बार सूचना देने के बाद भी खराब लाइटें दुरुस्त नहीं की जा रही हैं। परेशान नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सीएम हेल्पलाइन में सामूहिक शिकायत दर्ज कराएंगे। नगरवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि अकबर वार्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सहित नगर की स्ट्रीट लाइटों की नियमित जांच कराकर तत्काल खराब लाइटों को ठीक कराया जाए, ताकि रात में सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

जामबो सीताफल को मिला जीआई टैग, कलेक्टर का जताया आभार..

जगप्रेरणा छपारा।
सिवनी जामबो सीताफल को जीआई टैग मिलने की खुशी में भूत बंधानी एफपीओ संस्था ने कलेक्टर का आभार व्यक्त किया। इसी अवसर पर किसान राजकुमार भलावी के खेत में सीताफल के पौधे का रोपण भी किया गया।

रोपण कार्यक्रम में ये रहे मौजूद..

श्रीमती नेहा मीना - कलेक्टर जिला सिवनी, डॉ. आशा उपवंशी वासेवार सहायक संचालक, उद्यानिकी, अंजली शाह सीईओ, जिला पंचायत सिवनी, सदम सिंह बरकड़े अध्यक्ष, जनपद पंचायत छपारा, रविंद्र मीणा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छपारा, लालचंद्र धुर्वे अध्यक्ष, भूत बंधानी एफपीओ संस्था, अवधलाल मरकाम सरपंच, ग्राम पंचायत बकौड़ा, सिवनी साथ ही स्व सहायता समूह की दीदियां और ग्राम पंचायत के सदस्य।

जीआई टैग मिलने से सिवनी के सीताफल किसानों को अब अपनी पहचान और बेहतर बाजार मिलेगा। पौधारोपण के साथ जिले में सीताफल उत्पादन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया। प्रगतिशील किसानों को कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने बधाई दिया साथ ही कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बकोडा सिवनी के सरपंच सचिव और ग्राम पंचायत के नागरिकों की सराहना करते हुए कहां कि जिले में सबसे अच्छी ग्राम पंचायत बकोडा सिवनी है और इसको सीताफल पंचायत बनाना है।

अध्यक्ष ने जो मांग किया है जामुन टोला और राजस्व ग्राम का बकोड़ा में जिओ टावर खैरमाटा कोल से खेरनरा तक पक्की सड़क निर्माण कार्य का ऊपर प्रस्ताव भेजूंगी 23 जुलाई गुरुवार को जिला कलेक्टर ग्राम पंचायत बकोडा सिवनी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंची थीं।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

तिरोड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 वारंटी गिरफ्तार, अपहृत युवती दस्तयाब

एसपी के निर्देशन में 48 घंटे के अंदर मिली सफलता

जगप्रेरणा कटंगी।

तिरोड़ी थाना पुलिस ने दो दिनों के भीतर फरार चल रहे 3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। साथ ही कोड़बी से अपहृत एक 20 वर्षीय युवती को भी महाराष्ट्र के भंडारा जिले से दस्तयाब किया गया है।

पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कटंगी विवेक कुमार शर्मा के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी विजय राजपूत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2018 से फरार चल रहे आरोपी नवीन पिता रमेश चंद्र घोष को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना तिरोड़ी में धारा 420, 467, 468, एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वी) के तहत अपराध पंजीबद्ध है। करीब 8 साल से फरार चल रहे नवीन को पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा। इसी दौरान पुलिस ने वर्ष 2016 के एक चोरी के मामले में फरार आरोपी थानुराम पिता भोलाराम बोरकर, निवासी जटामा थाना कुरई जिला सिवनी को भी गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफधारा 379 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज है। तीसरी गिरफ्तारी नरेश पिता भरत लाल जामुनपाने निवासी गोरेघाट की हुई। नरेश के खिलाफधारा 294, 323, 506 भादवि के तहत वारंट जारी था। इन वारंटियों के अलावा पुलिस ने कोड़बी क्षेत्र से अपहृत 20 वर्षीय युवती को भी दस्तयाब किया है। युवती को ग्राम सोड्या थाना सिहोरा जिला भंडारा, महाराष्ट्र से बरामद किया गया। युवती को सुरक्षित तिरोड़ी लाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई को थाना प्रभारी विजय राजपूत के निर्देशन में आरक्षक राम सिंघवी, कृष्ण कुमार बघेल, लक्ष्मी बघेल, प्रमेल पाल, राजेश कुशवाहा ने अंजाम दिया। थाना प्रभारी के अनुसार फरार आरोपियों और लंबित प्रकरणों की तामिली के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में यह सफलता मिली है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

अटल पेंशन योजना में अधिकतम पंजीकरण के लिए जिला प्रशासन की अपील

पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करने वाले बालाघाट में इस वर्ष अब तक केवल 33 पंजीकरण

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला प्रशासन एवं अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी अटल पेंशन योजना (क्कङ्घ) में अधिक से अधिक पंजीकरण कराने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गरीब एवं वंचित वर्ग, गैर-करदाता नागरिकों तथा अन्य पात्र व्यक्तियों के लिए वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार है।

अटल पेंशन योजना के तहत 60 वर्ष की आयु के बाद अभिदाता को 01 हजार से 05 हजार तक की गारंटीड मासिक पेंशन प्रदान की जाती है। योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे नागरिकों को मिलता है, जिनका बचत बैंक या डाकघर में खाता हो तथा जो आयकरदाता न हों।

योजना की विशेषता यह है कि अभिदाता की मृत्यु के बाद उसके पति या पत्नी को समान राशि की पेंशन आजीवन मिलती है। दोनों की मृत्यु के उपरांत नामित व्यक्ति को संचित पेंशन संपत्ति वापस कर दी जाती है। इस प्रकार योजना गारंटीड पेंशन, पति-पत्नी दोनों की सामाजिक सुरक्षा तथा नामांकित व्यक्ति को पेंशन संपत्ति की वापसी जैसे तीन महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में बालाघाट जिले ने अटल पेंशन योजना में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की थी। जिले को मिले 11,435 पंजीकरण के लक्ष्य के विरुद्ध 43,458 नए पंजीकरण किए गए, जो लक्ष्य का 380 प्रतिशत रहा। इनमें 34,537 महिलाएं और 8,950 पुरुष शामिल रहे। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालाघाट ने पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया तथा लगभग 80 प्रतिशत महिला सहभागिता दर्ज की गई।

हालांकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं है। 1 अप्रैल 2026 से 21 जुलाई 2026 तक जिले में केवल 33 नए पंजीकरण हुए हैं। वहीं योजना शुरू होने के बाद वर्ष 2016 से अब तक आईडीबीआई बैंक द्वारा केवल 1,025 पंजीकरण किए गए हैं, जबकि पूरे जिले में अब तक कुल 1,44,493 नागरिक इस योजना से जुड़ चुके हैं।

जिला प्रशासन ने स्वयं सहायता समूह (स्ात्र) की महिलाओं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों, लाड़ली बहना योजना की पात्र महिलाओं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गैर-करदाता नागरिकों तथा 18 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों से अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक पंजीकरण कराने की अपील की है।

प्रशासन ने कहा है कि पिछले वर्ष बालाघाट ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई थी। इस गौरव को बनाए रखने के लिए सभी पात्र नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। अटल पेंशन योजना में आज किया गया छोटा-सा निवेश भविष्य में वृद्धावस्था के दौरान आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगा तथा जिले को एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन की श्रेणी में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का दिया संदेश

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में विकासखंड वारासिवनी द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कासपुर में स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत पौधरोपण

एवं पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक सहभागिता का संदेश देते हुए ग्रामीणों को स्वैच्छिक कार्य करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती गीता हनवत (जिला पंचायत सदस्य) ने बताया कि इस अवधि में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा जो कार्यक्रम पौधरोपण का चलाया जा रहा है जो बहुत अच्छी पहल है, वर्षा ऋतु में गांवों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति अभियान तथा समाजहित में कार्य करने वाले स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सुरेंद्र कुमार भगत (विकासखंड समन्वयक) कहा कि परिषद द्वारा 4 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक मनाए जा रहे स्वैच्छिकता पर्व का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने प्रस्फुटन समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि समितियों को समाज के विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने समितियों के सशक्तिकरण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में पौधरोपण भी किया गया। इसके पश्चात उपस्थित ग्रामीणों एवं समिति सदस्यों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशामुक्ति तथा समाजहित में स्वैच्छिक कार्य करने की शपथ ली ।

इस अवसर पर डॉ. गीता हनवत, सुरेंद्र कुमार भगत, राजकुमार लिल्हारे (नवांकुर संस्था के अध्यक्ष) सुश्री निकिता मिश्रा (परामर्शदाता), नरेंद्र जी ठाकरे (पंचायत सचिव), गुलचन्द रहांगडाले (सहायक सचिव) पुनम पारधी, महेश्वरी रहांगडाले, संतोषी रहांगडाले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने पौधों के संरक्षण एवं समाज के विकास के लिए सक्रिय सहभागिता का संकल्प भी लिया।

सुरक्षा कर्मियों की भर्ती के लिए 24 जुलाई को वारासिवनी में विशेष प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

जगप्रेरणा वारासिवनी।

राष्ट्रीय कौशल विकास योजना एवं भारत सरकार के पसारा अधिनियम 2005 के अंतर्गत कपस्टन सर्विसेज लिमिटेड (यड्डश्च-ह्यह्लशठ्ठ स्ह्रह्1द्बष्ह्य रुद्बद्बद्बह्लद्गस्त्र) द्वारा बालाघाट जिले में सुरक्षा कर्मियों की भर्ती के लिए विशेष प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में 24 जुलाई को जनपद पंचायत वारासिवनी में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया में महिला एवं पुरुष दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। भर्ती अभियान के तहत 500 सुरक्षा जवान एवं 100 सिक्योरिटी सुपरवाइजर सहित कुल 600 पदों पर चयन किया जाएगा। जनपद पंचायत वारासिवनी में आयोजित इस शिविर में सभी जनपद पंचायतों के युवा शामिल हो सकते हैं। भर्ती शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा।

सुरक्षा जवान पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं, 10वीं अथवा 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम ऊंचाई 165 सेंटीमीटर होनी चाहिए। वहीं सिक्योरिटी सुपरवाइजर पद के लिए स्नातक (ग्रेजुएशन) योग्यता, आयु 25 से 30 वर्ष तथा न्यूनतम ऊंचाई 172 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। सुरक्षा जवानों को पोस्टिंग के आधार पर 18 हजार 500 से 22 हजार 500 रुपये तथा सिक्योरिटी सुपरवाइजर को 23 हजार 500 से 27 हजार 500 रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को पीएफ, ईएसआई, दुर्घटना बीमा, आवास एवं मेस सुविधा, एक माह का प्रशिक्षण, वार्षिक वेतन वृद्धि, ग्रेच्युटी, पदोन्नति तथा 60 वर्ष की आयु तक सेवा जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड (जेरॉक्स), दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा 350 रुपये पंजीयन शुल्क के साथ भर्ती स्थल पर उपस्थित होना होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाईल नंबर 8305976816, 8789697323 एवं 7509781949 पर संपर्क कर सकते हैं।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान..

बालाघाट सहित विभिन्न क्षेत्रों की डेयरियों से लिए गए 17 नमूने, स्वच्छता एवं लाइसेंस की भी हुई जांच..

जगप्रेरणा बालाघाट।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार जिले में इस सप्ताह दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की विशेष निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट द्वारा चिलिंग प्लांट, मिल्क कलेक्शन सेंटर, डेयरियों तथा दूध विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं लाइसेंस की जांच की जा रही है।

अभियान के दौरान ग्राम नेवरगांवकला स्थित यशोदा एग्रीकल्चर प्लांट का निरीक्षण कर विभिन्न कंटेनरों से मिश्रित दूध के 6 नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं ग्राम हट्टा स्थित कृष्णा डेरी से मिश्रित दूध के 3 नमूने एकत्रित किए गए तथा परिसर की स्वच्छता एवं खाद्य लाइसेंस का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार ग्राम धड़ी स्थित दूध एवं पनीर विक्रेता के प्रतिष्ठान से मिश्रित दूध एवं पनीर के 2 नमूने लिए गए। गर्रा, बालाघाट स्थित तुमसरे डेरी से गाय के दूध का नमूना लेकर परिसर का निरीक्षण किया गया तथा स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

वारासिवनी स्थित जैन डेरी एवं सातपुड़े डेरी से गाय के दूध एवं मिश्रित दूध के 2 नमूने लिए गए। वहीं कोस्ते-सिकंदरा स्थित दिनसा डेरी से गाय के दूध एवं मिश्रित दूध के 3 नमूने जांच के लिए एकत्रित किए गए तथा संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। अभियान के दौरान डेयरियों एवं दूध विक्रेताओं के खाद्य लाइसेंस, प्रतिष्ठानों की स्वच्छता तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकर उपस्थित रहे।

सरेखा-कोसमी में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर आयोजित

30 यूनिट रक्त संग्रहित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नीलय जैन एवं अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. पंकज महाजन के निर्देशन में गुरुवार को सरेखा-कोसमी में स्वास्थ्य शिविर सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया और रक्तदान कर सामाजिक दायित्व का परिचय दिया। शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि 30 यूनिट रक्त संग्रह रही। 30 निस्वार्थ स्वयंसेवकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। वहीं करीब 140 हितग्राहियों एवं बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव ने बताया कि शिविर में संचारी एवं गैर-संचारी रोगों, सामान्य मौसमी बीमारियों तथा कान, नाक एवं गला (ईएनटी) संबंधी समस्याओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। इसके साथ ही बच्चों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में जांच के उपरांत सभी जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान किसी भी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, समय पर बीमारियों की पहचान करना तथा रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित क करना है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

डायरिया रोको अभियान' के तहत पीएचई विभाग ने ग्रामीणों को किया जागरूक..

भालापुरी और हीरापुर में पेयजल की गुणवत्ता जांची, हाथ धोने के सही तरीके बताए..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिले में जलजनित बीमारियों की रोकथाम और ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा 'डायरिया रोको अभियान' प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत गुरुवार को बैहर विकासखंड के ग्राम भालापुरी एवं हीरापुर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके के निर्देशन में पीएचई विभाग के पीएमयू समन्वयक शीतल मिश्रा, हरीश झा एवं ब्लॉक समन्वयक फनीश रंगारे ने ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों का भ्रमण कर ग्रामीणों, विद्यार्थियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान टीम ने फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) की सहायता से पेयजल स्रोतों के पानी की गुणवत्ता की जांच की। साथ ही ग्रामीणों को स्वयं एफटीके किट का उपयोग कर पानी की गुणवत्ता जांचने की विधि भी सिखाई गई, ताकि वे समय रहते दूषित पानी की पहचान कर जलजनित बीमारियों से बचाव कर सकें।

इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को हैंड वॉश के छह महत्वपूर्ण चरणों का व्यावहारिक प्रदर्शन कर सही तरीके से हाथ धोने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोजन बनाने और खाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

समन्वयकों ने ग्रामीणों से हमेशा स्वच्छ, सुरक्षित एवं ढककर रखा गया पेयजल उपयोग करने की अपील की। साथ ही जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, गंदगी दिखाई देने पर तत्काल सफाई करने तथा स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जागरूकता और स्वच्छता ही डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

'सोनम बस हो गया, इसे और आगे मत बढ़ाओ'

सलमान खान ने फिर किया पोस्ट; छात्रों से घर जाने को कहा..

डेस्क जगप्रेरणा।

नीट पेपर लीक विवाद पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस वक्त प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ है। मौके पर भारी फोर्स की तैनाती की गई है। प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी कर रहे हैं।

इस बीच बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने छात्रों से घर लौटने की अपील की है। सलमान खान ने पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों के आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है।

24 घंटे में सलमान खान का दूसरा पोस्ट..

सलमान खान ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए छात्रों प्लीज़ अपने माता-पिता के पास और घर लौट जाइए। खास बात यह है कि छात्रों के प्रोटेस्ट को लेकर सलमान खान का 24 घंटे के अंदर दूसरा पोस्ट है।

'अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा'..

सलमान खान ने लिखा है, 'पढ़ाई और सुरक्षा, दोनों ही मामलों में छात्र हमारी पहली प्राथमिकता हैं इसलिए उन्हें और उनके माता-पिता को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है और मुझे यकीन है कि वे इस पेपर लीक के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए, छात्रों, प्लीज़ अपने माता-पिता के पास और घर लौट जाइए। आगे उन्होंने लिखा है, 'सोनम, बस हो गया। इसे और आगे मत बढ़ाओ। अगर जरूरत पड़ी तो इस जज्बे को किसी और दिन के लिए बचाकर रखना (हालांकि मुझे नहीं लगता कि जरूरत पड़ेगी) और कुछ खा-पी लो। अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा।'

आंदोलन का राजनीतिकरण ना हो..

बता दें कि इससे एक दिन पहले सलमान खान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सरकार से कड़े कदम उठाने की अपील की थी। सलमान खान ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा था कि छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था और इसे हिंसक होते देख उन्हें काफी दुख हुआ। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना जताई थी।

सलमान ने कहा था कि यह मुद्दा छात्रों और शिक्षा व्यवस्था के बीच का है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन का श्रेय केवल हमारे देश के छात्रों को ही मिलना चाहिए।

'आंदोलन का श्रेय केवल छात्रों को ही मिलना चाहिए'..

साथ ही सलमान ने उम्मीद जताई थी कि सरकार भी छात्रों को पूरा समर्थन देगी और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगी। यह सभी के लिए फायदेमंद स्थिति है। सलमान ने सकारात्मक फैसले की उम्मीद और प्रार्थना की है। उन्होंने लिखा कि जो लोग शिक्षित होना चाहते हैं, उन सभी पर ईश्वर की कृपा बनी रहे। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने कल देशभर में किया प्रदर्शन का ऐलान किया है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि ये प्रदर्शन देश के सभी राज्यों और उनके जिलों में होगा।

कुएं में गिरे बछड़े को बचाने गए 4 लोगों की मौत, जहरीली गैस की चपेट में आने से हुआ हादसा...

डेस्क जगप्रेरणा।

झज्जर जिले के मुनीमपुर में रविवार की शाम एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक बछड़े को बचाने के प्रयास में गांव के कुएं में उतरे चार लोगों की जहरीली गैस की चपेट में आने से दम घुटने के कारण मौत हो गई।

इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया। मृतकों की पहचान 41 वर्षीय दलबीर और नरेंद्र, 37 वर्षीय मोनू तथा एक प्रवासी मजदूर रामे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कुएं में बछड़ा गिर गया था। उसे निकालने के लिए एक-एक कर चारों लोग कुएं में उतरे, लेकिन अंदर मौजूद जहरीली गैस के कारण सभी बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके।

कुएं में गिर गया बछड़ा..

दरअसल, झज्जर जिले में एक बछड़े को बचाने के लिए बंद पड़े कुएं में उतरे चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस को शक है कि जहरीली गैस की वजह से उनकी मौत हुई। घटना रविवार शाम मुनीमपुर गांव में हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद चारों को कुएं से बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुएं में भयंकर जहरीली गैस भरी हुई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री भी मौके पर पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। उन्होंने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है और गहन प्रयासों के बावजूद चारों लोगों को बचाया नहीं जा सका।

कई सालों से बंद था कुआं..

सदर पुलिस स्टेशन के SHO इंस्पेक्टर परमजीत ने बताया, 'एक बछड़ा लगभग 40-50 साल पुराने, बंद पड़े कुएं में गिर गया था। जानवर को बचाने के लिए दो लोग कुएं में उतरे। जब वे बाहर नहीं आए, तो दो और लोग कुएं में उतरे, लेकिन वे भी बाहर नहीं निकल पाए। बचाव कार्य शुरू किया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें 'ब्रॉट डेड' (अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत) घोषित कर दिया गया।' उन्होंने बताया कि इस घटना में बछड़े की भी मौत हो गई। वहीं, विधायक कुलदीप वत्स भी अपनी टीम के साथ हादसा स्थल और बाद में नागरिक अस्पताल पहुंचे तथा पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इधर, नागरिक अस्पताल में ग्रामीणों और प्रशासन के बीच तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच जाता, तो शायद चारों लोगों की जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..
मो. 9329033433

बेंगलुरु में घर के अंदर मिले बुजुर्ग दंपति के शव, कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे, पुलिस ने शुरू की जांच..

डेस्क जगप्रेरणा।

बेंगलुरु के बसवेश्वर नगर इलाके में एक घर के अंदर बुजुर्ग दंपति के शव मिले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ने अपने घर के अंदर ही आत्महत्या की है। मृतकों की पहचान 73 साल के ईश्वरचारी

और 66 साल की गौरी के रूप में हुई है। ये दोनों अपने ही घर के एक कमरे में गुरुवार को मृत पाए गए। पुलिस के मुताबिक इस दंपति की दो बेटियां हैं, जो इनका ख्याल रखती थीं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक दोनों ही हिप डिसलोकेशन सहित ब्लड प्रेशर, शुगर और अस्थमा बीमारियों से परेशान थे। बसवेश्वर नगर पुलिस में अननैचुरल डेथ का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेंगलुरु में 11 जुलाई को भी एक ही परिवार के चार लोगों के शव मिले थे।

पिछले सप्ताह भी मिले थे एक दंपति के शव..

बेंगलुरु में पिछले सप्ताह भी एक घर के अंदर एक दंपति के शव मिले थे। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी मनोज विश्वकर्मा और उनकी पत्नी सपना के रूप में हुई। चन्नाम्मनकेरे अचुकट्टू थाना क्षेत्र के लक्ष्मण्पा गार्डन में दोनों किराए के मकान में रहते थे और बढ़ई का काम करते थे। महिला चार महीने की गर्भवती भी थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि 28 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी चार माह की गर्भवती पत्नी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या करने के बाद पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

रोज होता था विवाद..

पुलिस के अनुसार, दोनों ने करीब तीन वर्ष पहले विवाह किया था और वे बढ़ई का काम करते थे। 16 जुलाई को दोपहर 12 बजे के बीच दोनों के बीच कथित तौर पर कहासुनी हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ÷पति ने नायलॉन की रस्सी से पहले पत्नी का गला घोंट दिया और बाद में उसी रस्सी से पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।' घटना का पता तब चला, जब मकान में रहने वाले अन्य लोगों और मकान मालिक ने काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'थाना प्रभारी और सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मौके पर पहुंचे। दरवाजा खुलवाने पर अंदर व्यक्ति पंखे से लटका मिला। घटना के सही कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।÷ पुलिस के अनुसार, दंपति पिछले कई वर्षों से बेंगलुरु में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मनोज पिछले कुछ दिनों से नियमित रूप से काम पर नहीं जा रहा था और पति-पत्नी के बीच अक्सर घरेलू विवाद होते रहते थे।

फ्रांस में भीषण गर्मी से मर रहे लोग! टूटा 2003 के बाद का रिकॉर्ड; हीटवेव से 5,700 ज्यादा हुई मौतें..

डेस्क जगप्रेरणा।

फ्रांस में पिछले महीने पड़ी ऐतिहासिक गर्मी ने तबाही मचा दी है। देश की स्वास्थ्य एजेंसी पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पिछले महीने पड़ी ऐतिहासिक गर्मी की लहर यानी हीटवेव के दौरान फ्रांस में सामान्य से कम से कम 5,700 ज्यादा मौतें हुईं। एजेंसी ने रिकॉर्ड तोड़ने वाले तापमान से होने वाली मौतों के अपने अनुमानों को काफी बढ़ा दिया है। पब्लिक हेल्थ फ्रांस ने बताया कि 17 जून से 2 जुलाई तक गर्मी की चपेट में आए इलाकों में सभी वजहों से कुल 21,674 मौतें हुईं। हालांकि, एजेंसी का कहना है कि अगर गर्मी की लहर नहीं होती, तो पिछले सालों के डेटा का इस्तेमाल करके की गई स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग के आधार पर उन्हीं इलाकों में मरने वालों की संख्या काफी कम यानी 15,910 होती। मौतों का यह बढ़ा हुआ आंकड़ा (36% ज्यादा मौतें) साल 2003 के बाद से किसी भी हीटवेव में सबसे अधिक है। साल 2003 में फ्रांस में भीषण गर्मी की वजह से करीब 15,000 लोगों की जान गई थी।

3 दिनों में हुईं सबसे ज्यादा मौतें..

इस साल 24 और 25 जून को फ्रांस में अब तक के सबसे गर्म दिन दर्ज किए गए, जिनका राष्ट्रीय औसत तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा। साथ ही, रात में भी रिकॉर्ड गर्मी रही और कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने बताया कि अचानक हुई मौतों में से आधे से ज्यादा मौतें उसी सबसे गर्म दौर के दौरान और उसके ठीक बाद यानी 25 जून से 27 जून के बीच तीन दिनों में हुईं। एजेंसी ने कहा, 'गर्मी की इस अभूतपूर्व घटना, जो जल्दी शुरू हुई, बहुत तेज थी और लंबे समय तक चली, ने लगभग पूरी आबादी को भीषण गर्मी का सामना करने पर मजबूर कर दिया, जबकि उस समय स्कूल और कामकाज पूरी तेजी से चल रहे थे।' कुल मिलाकर, पूरे यूरोप में इस साल बहुत जल्दी और जबरदस्त गर्मी पड़ी। पूरे महाद्वीप से मिल रहे आंकड़ों के मुताबिक, हीटवेव के चरम पर सामान्य से कहीं ज्यादा 10,000 से भी अधिक मौतें हुईं।

पेरिस में सबसे बुरा हाल..

फ्रांस की हेल्थ एजेंसी के मुताबिक, पेरिस इलाके पर सबसे बुरा असर पड़ा है, जहां 1,999 ऐसी मौतें हुईं जिनकी उम्मीद नहीं थी। यह संख्या हीटवेव न होने की स्थिति में होने वाली मौतों के अनुमान से लगभग 80त्न ज्यादा है। पेरिस में अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने वालों ने बताया कि उन्हें शवों को दफनाने या जलाने से पहले रखने की जगह खोजने में मुश्किल हुई, कुछ मुर्दाघरों ने कहा कि वे भरे हुए थे और उन्हें शव वापस लौटाने पड़े।

अस्पताल में हुई आधे लोगों की मौत..

एजेंसी ने बताया कि मरने वाले 21,600 से ज्यादा लोगों में से लगभग आधे लोगों की मौत अस्पतालों में हुई, जहां गर्मी से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की बढ़ती संख्या से निपटना मुश्किल हो रहा था। लगभग एक-तिहाई लोगों की मौत घर पर हुई और बाकी मौतें ज्यादातर बुजुर्गों के लिए बने केयर होम में हुईं। मौतों की यह नई अनुमानित संख्या जिसके बारे में एजेंसी का कहना है कि साल के आखिर में और पूरी जानकारी मिलने पर इसे अपडेट किया जाएगा। शुरुआती आंकड़ों से काफी ज्यादा है। एजेंसी ने पहले बताया था कि 22 जून से 28 जून के हफ्ते में सभी कारणों से लगभग 2,000 अतिरिक्त मौतें हुईं, यह वह समय था जब फ्रांस में हीटवेव अपने चरम पर थी और यूरोप के कई अन्य हिस्सों में भी तापमान के रिकॉर्ड टूटे थे।

नूंह में दो पक्षों के विवाद में युवक की गोली लगने से मौत, 32 नामजद समेत कई पर हत्या का केस दर्ज..

डेस्क जगप्रेरणा।

हरियाणा के नूंह जिले के थाना आकेड़ा क्षेत्र के गांव निजामपुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई।

मामले में पुलिस ने 32 नामजद आरोपियों सहित 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो पक्षों के बीच ईंट-पत्थर से हमला..

पुलिस के अनुसार गांव निजामपुर निवासी खुर्शीद पुत्र हुसैना की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 21 जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे नामजद आरोपी और उनके साथ अन्य लोग एकत्र होकर उनके परिवार पर ईंट-पत्थरों से हमला करने लगे।

इलाज के दौरान चली गई जान..

इसी दौरान आरोपी अब्बास ने कथित तौर पर अवैध हथियार से खुर्शीद के पुत्र साजिद पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने की दबिश..

पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

पूर्व नियोजित था हमला..

मृतक पक्ष के परिजनों का आरोप है कि यह हमला पूर्व नियोजित था। उनका कहना है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था और कई बार समझौते के प्रयास भी हुए, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। घटना के समय बड़ी संख्या में लोगों ने हमला किया, जिसके दौरान साजिद को गोली लगी।

पेशे से मिस्त्री था साजिद..

परिजनों के अनुसार मृतक साजिद (27) पेशे से मिस्त्री था। वह अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गया है। परिवार ने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस..

वहीं, पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। गांव में स्थिति सामान्य एवं नियंत्रण में है।

नशे में धुत व्यक्ति हॉकी स्टिक लेकर प्राथमिक स्कूल में घुसा, छात्रों को धमकाया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

गोरखपुर में कथित रूप से एक छात्र द्वारा गाली दिये जाने के बाद शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति हॉकी स्टिक लेकर सरकारी प्राथमिकी स्कूल में घुस गया और हंगामा करने लगा।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को जंगल कौड़िया इलाके के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल में हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी शैलेंद्र शराब के नशे में दोपहर के समय स्कूल परिसर में घुस आया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शैलेंद्र ने छात्रों और स्टाफको धमकाया और कहा, ''तुम्हारे एक छात्र ने मुझे गाली दी है। मैं उसे नहीं छोड़ूंगा।''

उन्होंने बताया कि जब स्कूल के शिक्षक ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है, तो आरोपी और भड़क गया और हंगामा करने लगा। स्कूल के प्रधानाध्यापक रामबदन मौर्य ने बाद में पीपीगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि शैलेंद्र बिना किसी उकसावे के स्कूल में घुसा और वहां मौजूद लोगों को धमकाया, जिससे छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफमें दहशत फैल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी को हिरासत में लिया। कैंपियरगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में सड़क किनारे भरे पानी में गिरी कार, बाल-बाल बची चार लोगों की जान..

डेस्क जगप्रेरणा।

महाराष्ट्र में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में जल जमाव की स्थिति बनी है। मुंबई के पास वसई पश्चिम में भी हालात ऐसे ही हैं। यहां एक कुत्ते को बचाने के चक्कर में कार सड़क किनारे भरे पानी में गिर गई। कार में चार लोग सवार थे, लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना वसई पश्चिम के सनसिटी इलाके की है। यहां गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे एक चार पहिया वाहन सड़क किनारे भरे पानी में जा गिरा। यह घटना सनसिटी गास रोड पर तुलजा मंदिर से कुछ दूरी आगे हुई। कार चालक के अनुसार, वाहन के सामने अचानक एक कुत्ता आ गया। उसे बचाने की कोशिश में चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया, जिससे कार सीधे सड़क किनारे करीब दो से तीन फीट गहरे पानी में जा गिरी।

स्थानीय लोगों की मदद से बची जान..

वसई पश्चिम इलाके में सुबह से बारिश हो रही थी, लेकिन सड़क पर पानी जमा नहीं था। सड़क के किनारे स्थित खाली जगह में बड़ी मात्रा में पानी भरा हुआ था, जिसमें यह कार जा गिरी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे और उनकी मदद से कार को पानी से बाहर निकाला गया।

उस समय कार में चार लोग सवार थे। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई, हालांकि कार को काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस हादसे के सटीक कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन के सामने अचानक कुत्ता आ जाने के कारण यह दुर्घटना हुई।

वसई में पहले भी हुआ था जलजमाव..

जुलाई की शुरुआत में महाराष्ट्र में जमकर बारिश हुई थी। इस दौरान भी वसई में जलजमाव हो गया था और बिजली की आपूर्ति रोक दी गई थी। इससे लाखों लोगों को परेशानी हो रही थी। हालांकि, पानी उतरने के बाद 12 घंटे के अंदर बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी गई थी। जुलाई की शुरुआत में यहां पांच दिन तक लगातार मूसलाधार बारिश हुई थी। बाढ़ के पानी में 528 ट्रांसफार्मर डूब गए थे, जिनमें से 62 पूरी तरह खराब हो गए और उन्हें तत्काल बदलना पड़ा। इसके अलावा 91 बिजली के खंभे भी गिर गए थे, जिसके कारण नए खंभे लगाने पड़े साथ ही ऊपर (ओवरहेड) से गुजरने वाली बिजली लाइनों को फिर से लगाना पड़ा।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

छात्रों की निराशा समझ में आती है, तेंदुलकर ने नीट आंदोलन पर जारी किया बयान..

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने बृहस्पतिवार को बार-बार नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि छात्रों की निराशा समझ में आती है और समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे 'दोबारा इस तरह महसूस नहीं करें'। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि उनके दिवंगत पिता रमेश तेंदुलकर (जो प्रोफेसर थे) ने उन्हें जीवन के शुरुआती दौर में ही कुछ महत्वपूर्ण संस्कार सिखाए थे, जिनमें सबसे प्रमुख था, 'असफल होना ठीक है, लेकिन धोखा देना नहीं। कभी भी शॉर्टकट मत अपनाओ।'

तेंदुलकर ने कहा, ''समाज में वयस्कों के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम संस्कृति को आकार दें। ऐसा समाज जो मेहनत के बजाय केवल परिणामों को प्राथमिकता देता है, वह योग्यता आधारित व्यवस्था (मेरिटोक्रेसी) के बजाय शॉर्टकट को बढ़ावा देगा। आज जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत का उन्हें उचित परिणाम नहीं मिला, तो उनकी निराशा समझ में आती है। '' उन्होंने लिखा, ''हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए कि उन्हें दोबारा ऐसा महसूस नहीं हो। '' बीस जुलाई से शुरू हुए ये प्रदर्शन अब हिंसक रूप ले चुके हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए पुलिस ने कई बार लाठीचार्ज किया है।

इस आंदोलन का नेतृत्व कॉकरोच जनता पार्टी कर रही है जिसे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का समर्थन प्राप्त है। वांगचुक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि नीट प्रश्नपत्र लीक के लिए वह जिम्मेदार हैं जिसके कारण हाल ही में दोबारा परीक्षा आयोजित करनी पड़ी। प्रश्नपत्र लीक के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या भी की।

तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इसका कोई समाधान जरूर निकलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है, जिसमें ईमानदारी को महत्व मिले और योग्यता (मेरिट) की जीत हो।

उन्होंने कहा, ''एक समाज के रूप में हम सभी (माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासक) की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और हम सभी की अलग-अलग भूमिकाएं हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे युवा प्रोत्साहित और ऊर्जावान बने रहें।'' तेंदुलकर ने कहा, ''हमें ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जहां मेहनत को सम्मान मिले, ईमानदारी को प्रोत्साहित किया जाए और योग्यता की जीत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी मिलकर ऐसे समाधान खोज लेंगे, जो हमारे बच्चों के भविष्य को मजबूत करें और उनकी आकांक्षाओं की रक्षा करें। '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक करने के आरोपियों के खिलाफ तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों की स्थापना की जाएगी।

'जन नायकन' में फिर बीस्ट मोड में दिखे थलपति विजय, बॉबी ने किया निराश, 3 घंटे का सफर लगने लगता है थकाऊ

डेस्क जगप्रेरणा।
आखिरकार वो दिन आ ही गया, जिसका सुपरस्टार विजय के फैंस को बेसब्री से इंतजार था। तमिलनाडू का मुख्यमंत्री बनने से पहले थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जना नायकन' को कई मुश्किलों से होकर गुजरना पड़ा। पहले ये फिल्म जनवरी 20226

को रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसरशिप के चक्कर में ये फिल्म ऐसी फंसी की दर्शकों 'जना नायकन', हिंदी में जिसका नाम 'जन नेता' है, को देखने के लिए पूरे 7 साल का इंतजार करना पड़ गया। विजय की आखिरी फिल्म होने के चलते लाखों दर्शक इससे भावनात्मक रूप से जुड़े थे और ये कहना गलत नहीं होगा कि ये पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ विजय की फिल्म है। अब ये मोस्ट अवेटेड फिल्म (जना नायकन) सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसमें विजय की एंट्री, शानदार एक्शन सीन तो दमदार हैं, लेकिन दूसरी तरफ फिल्म की कहानी, क्लाइमैक्स और जरूरत से ज्यादा लंबाई कहीं न कहीं निराश करते हैं। खैर अब चलिए फिल्म के पॉजिटिव और नेगेटिव पहलुओं पर बात करते हैं।

कहानी

कहानी थलपति वेत्री कोंडन उर्फ टीवीके (विजय) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जेल में बंद है। जेल में बंद वेत्री को देखकर एक दिन एक ईमानदार जेलर (गौतम वासुदेव मेनन) को उस पर दया आती है, जो उसके अंदर की इंसानियत को पहचानता है और आखिरकार नियमों के खिलाफ जाकर ये जेलर वेत्री को उसकी बूढ़ी मां (रेवती) से मिलवाता है। लेकिन, जेलर को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। नियमों की अनदेखी करने के चलते उसे सस्पेंड कर दिया जाता है। वहीं एक हादसे जेलर की मौत हो जाती है, लेकिन मौत से पहले वो अपनी बेटी विजी (ममता बैजू) की जिम्मेदारी वेत्री को सौंप देता है, जिसके बाद वेत्री, विजी का ख्याल रखता है और उसे सेना में अधिकारी बनाने का सपना पूरा करने निकल पड़ता है।

इसी बीच कहानी में एंट्री होती है जॉन हेमलर की, जिसका किरदार बॉबी देओल ने निभाया है। जॉन एक निर्दयी हत्यारा और एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है। जॉन, साउथ अफ्रीका में अराजकता फैलाने के बाद अब भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देना चाहता है। फिर कहानी में पत्रकार कयाल (पूजा हेगड़े) की भी एंट्री होती है। इसी बीच विजी किडनैप हो जाती है। जब वेत्री, विजी को बचाने पहुंचता है तो उसका सामना जॉन हेमलर से होता है। दोनों के तार अतीत से जुड़े हैं। जॉन का एक अतीत है और इस अतीत में वो कभी डिप्टी कमिश्नर अमरीश पुजारी हुआ करता था। मगर शुरुआत में जो कहानी भावनात्मक लगती है, वो जल्दी ही आतंकवाद, राजनीति, सत्ता की लड़ाई और भ्रष्टाचार के मुद्दों में उलझ जाती है।इसमें कुछ जॉन उर्फ अमरीश का क्या अतीत है? और उसका वेत्री से क्या कनेक्शन है, ये फिल्म के सेकेंड हाफ में पता चलता है।

अभिनय

अभिनय की बात करें तो विजय हमेशा की तरह 'जन नेता' में भी आत्मविश्वास से भरे नजर आते हैं। अगर ये कहें कि विजय ही इस फिल्म की जान हैं तो गलत नहीं होगा। वैसे भी ये पूरी तरह से विजय की ही फिल्म है, जिनकी स्क्रीन प्रेजेंस दमदार है। कहानी अगर कहीं कमजोर भी पड़ने लगती है तो विजय का स्टारडम दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है। मगर फिल्म उतने देर तक ही देखने का मन करता है, जब तक विजय सामने होते हैं। उनके डायलॉग, अंदाज, जोश और आक्रोश कमाल का है। हिंदी डब वर्जन में संकेत महात्रे की आवाज है, जो विजय के ऑरा को जस्टिफाई करती है।

बॉबी देओल, जॉन हेमलर के किरदार में कागजों पर जितने दमदार लगते हैं, स्क्रीन पर उतना असर नहीं छोड़ते। बॉबी देओल ने बीती कुछ फिल्मों में खूंखार विलेन के किरदार निभाए हैं, लेकिन सभी में एक सा अभिनय कर रहे हैं। उन्हें देखकर 'एनिमल' के अबरार या फिर यूं कहें कि 'अल्फा' के फतेह का याद आना लाजमी है। वही एक्सप्रेशन और वही अंदाज, लगता है जैसे अगर कुछ बदला है तो वो है नाम। निर्दयी हत्यारे के रोल में वह कुछ खास नहीं डराते।

पूजा हेगड़े की बात करें तो फिल्म में उनका किरदार कुछ खास कमाल नहीं दिखाता। वह फिल्म में नाम मात्र के लिए हैं और ममता बैजू विजी के किरदार में अच्छी लगी हैं। ममता की खासियत ये है कि उन्हें जो भी किरदार दिया जाए, वह उसमें जान फूंक देती हैं। उनके अलावा प्रकाश राज, प्रियामणि, गौतम वासुदेव मेनन, और नासर ने अपने किरदारों से इंसाफकिया है।

निर्देशन और तकनीकी पहलू

'जन नेता' उर्फ 'जना नायकन' के निर्देशक एच. विनोद हैं, जिन्होंने एक मजबूत भावनात्मक कहानी को राजनीति का चोला पहनाने की ऐसी कोशिश की है, जो फिल्म पर भारी पड़ता है। कहानी जगह-जगह पर भटकती है। फर्स्ट हाफ में कई जगह कहानी आधी ही समझ आती है, हालांकि सेकेंड हाफ की शुरुआत में ये समझ आ जाती है। बॉबी देओल वाला पूरा ट्रैक कमजोर लगता है। कभी-कभी लगता है जैसे निर्देशक जानते थे कि ये विजय की आखिरी फिल्म है तो फैंस में जबरदस्त क्रेज होगा ही, तो उन्होंने लॉजिक के पीछे जाना जरूरी नहीं समझा। स्क्रीनप्ले बिखरा हुआ लगता है और कमजोर लेखन और एडिटिंग, तकनीक को भी कमजोर कर देते हैं। कुल मिलाकर जो फिल्म शुरुआत में जो फैमिली ड्रामा लगती है, वो क्लाइमैक्स तक आते-आते साइंस-फिक्शन लगने लगती है और कई चीजें इमोशन-लेस हैं। 'जना नायकन' देखकर लगता है कि अगर विजय 'लियो' को अपनी आखिरी फिल्म घोषित करते तो वो ज्यादा बेहतर होता।

म्यूजिक

विजय के अलावा इस फिल्म को बांधे रखने में अगर कुछ मदद करता है तो वो है इसका म्यूजिक। अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत इस फिल्म की सबसे अहम और मजबूत कड़ी है। बैकग्राउंड म्यूजिक कई दृश्यों में जान डाल देता है। खासतौर पर विजय की एंट्री और एक्शन सीन्स में संगीत ही है, जो इसे और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है।

फाइनल वर्डिक्ट

'जन नायकन' विजय की आखिरी फिल्म है, जिसके चलते दर्शकों को इससे खासी उम्मीदें थीं। दर्शकों को उम्मीद थी कि ये विजय की अन्य फिल्मों से कई गुना बेहतर होगी और विजय को यादगार विदाई देगी, लेकिन ये फिल्म अपने मकसद में चूक जाती है। जन नायकन न तो पूरी तरह फैमिली ड्रामा है और न ही पॉलिटिकल ड्रामा बन पाती है। और तो और ये विजय को फेयरवेल देने में भी सफल नहीं हो पाई। फिल्म में विजय के लिए तो तालियां बजाने वाले कई पल आते हैं, लेकिन कमजोर कहानी, निर्देशन और स्क्रीनप्ले निराश करती हैं। कुल मिलाकर 3 घंटे 3 मिनट का सफर थकाऊ लगने लगता है। अगर ये कहें कि विजय इससे ज्यादा मजबूत कहानी और विदाई के हकदार हैं तो गलत नहीं होगा। थलपति विजय की फिल्म को 5 में से 2.5 स्टार दिए गए हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण में सोनोवाल ने 2023 विश्व चैंपियन रेयान बेस्टर को हराकर उलटफेर किया

ग्लास्गो, (भाषा)।
पुतुल सोनोवाल ने लॉन बॉल्स पुरुष एकल स्पर्धा में कनाडा के 2023 विश्व चैंपियन रयान बेस्टर को टाई-ब्रेक में हराकर बड़ा उलटफेर किया जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की। वहीं रूपा रानी टिर्की और पिंकी ने महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को रोमांचक टाई-ब्रेक में हरा दिया। राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहे पुतुल ने पहला सेट 5-4 से अपने नाम किया। इसके बाद कई बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता बेस्टर ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 7-3 से जीतकर मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया।

मौजूदा एशियाई चैंपियन असम के सोनोवाल ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और टाई-ब्रेक जीतकर ग्रुप डी में अपने पहले मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। अब उनका सामना शुक्रवार को अपने दूसरे मैच में फॉकलैंड द्वीपसमूह के सेसिल अलेक्जेंडर से होगा।

बेस्टर ने 2006 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष एकल स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2014 और 2018 के चरणों में रजत पदक अपने नाम किए। इसके अलावा उन्होंने विश्व आउटडोर चैंपियनशिप में एकल और युगल स्पर्धाओं में कुल सात पदक जीते हैं जिनमें 2023 चरण में एकल और युगल में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक शामिल हैं। वर्ष 2025 में उन्हें 'विश्व बॉल्स हॉल ऑफफेम' की पहली सूची में शामिल किया गया था। रूपा रानी टिर्की (लीड) और पिंकी (स्किप) ने पहला सेट 7-1 से अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में उन्हें माल्टा की रेबेका लूसी रिक्सन (लीड) और कोनी ले रिक्सन (स्किप) की जोड़ी से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद ग्रुप बी के पहले दौर के मुकाबले का फैसला टाई-ब्रेक से हुआ। टाई-ब्रेक में भारतीय टीम अपने प्रतिद्वंद्वियों से पीछे चल रही थीं लेकिन अंत में पिंकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी आखिरी बॉल के साथ निर्णायक बढ़त दिलाते हुए भारत को जीत दिला दी। भारतीय महिला पेयर्स टीम शुक्रवार को ग्रुप बी के अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी।

टिर्की और पिंकी दोनों ही 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला फोर्स टीम का हिस्सा थीं। हालांकि, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में बॉल्स प्रतियोगिता से पुरुष और महिला फोर्स स्पर्धाओं को हटा दिया गया है। इस बार केवल पुरुष और महिला एकल तथा पुरुष और महिला युगल स्पर्धाएं ही शामिल की गई हैं। भारत ने 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष फोर्स स्पर्धा में भी रजत पदक जीता था।

सहयोगी स्टाफ को लेकर अनिश्चितता से पैरा साइकिलिस्ट लीशा दास भावनात्मक तनाव में..

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारत की राष्ट्रमंडल खेलों की पैरा-साइकिलिंग स्पर्धा की एकमात्र प्रतिनिधि 16 वर्षीय लीशा दास ने अपने सहयोगी स्टाफ और ग्लास्गो यात्रा व्यवस्था को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण 'भावनात्मक तनाव' का हवाला देते हुए शीर्ष खेल अधिकारियों को पत्र लिखा है।

लीशा ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), भारतीय साइकिलिंग महासंघ (सीएफआई), भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और खेल मंत्रालय के अधिकारियों को पत्र लिखा है। राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह बृहस्पतिवार रात आयोजित होगा। लीशा का कहना है कि पिछले कुछ दिनों की घटनाओं ने उन पर भारी मानसिक दबाव डाल दिया है क्योंकि वह अपने सहयोगी दल - निजी कोच आदित्य मेहता, महिला फिजियोथेरेपिस्ट डॉ आशा शेख और एक अनुभवी पैरा-साइकिलिंग तकनीशियन - की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं।

बार-बार अनुरोध और अदालत के हस्तक्षेप के बाद डॉ शेख की यात्रा को मंजूरी मिल गई, लेकिन मेहता की यात्रा और मान्यता पत्र (एक्रिडिटेशन) को लेकर अब भी कोई स्पष्टता नहीं है।

इसके बजाय अधिकारियों ने के दत्तात्रय को तकनीशियन और कोच के रूप में भेजने का प्रस्ताव रखा है जबकि उन्हें पहले ही लीशा की सहयोगी टीम के सदस्य के रूप में अस्वीकार किया जा चुका था।

लीशा ने विशेष रूप से मेहता को अपने कोच के रूप में साथ भेजने का अनुरोध किया था, जिसे शुरुआत में स्वीकार भी कर लिया गया था। हालांकि, उनका कहना है कि उसके बाद उनकी यात्रा व्यवस्था को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई। बृहस्पतिवार को मंत्रालय, सीएफआई, पीसीआई और आईओए के अधिकारियों को भेजे गए ईमेल में लीशा ने लिखा, ''मैं यह ईमेल अत्यंत भारी मन और गहरे भावनात्मक तनाव के साथ लिख रही हूं। एक खिलाड़ी के रूप में मेरी एकमात्र जिम्मेदारी अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान देना और अपने देश का सर्वश्रेष्ठ तरीके से प्रतिनिधित्व करने की तैयारी करना होना चाहिए। लेकिन 15 मई से मैं लगातार संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर रही हूं और राष्ट्रमंडल खेल में मेरी भागीदारी तथा यात्रा व्यवस्था को लेकर स्पष्टता और सहयोग मांग रही हूं। ''

उन्होंने लिखा, ''मैंने अपनी वर्षों की ट्रेनिंग, उपकरण, तैयारी और क्वालीफिकेशन के लिए कभी वित्तीय सहायता नहीं मांगी। मेरे कोच (आदित्य मेहता) और उनके संगठन ने स्वतंत्र रूप से मेरी ट्रेनिंग, उपकरण और तैयारी में व्यापक सहयोग दिया है। बार-बार संपर्क और याद दिलाने के बावजूद मुझे स्पष्टता मिलने के बजाय लगातार अनिश्चितता और भारी मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा है। ''

इस महीने की शुरुआत में पीटीआई ने सबसे पहले लीशा की इस समस्या को बताया था। अब आदित्य मेहता ने पूरे सहयोगी दल की जिम्मेदारी स्वयं उठाने और आवश्यक सहायता की व्यवस्था अपने स्तर पर करने का निर्णय लिया है। मेहता ने कहा, ''लीशा भारत की सबसे कम उम्र की और पहली पैरा-साइकिलिस्ट हैं जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेल के लिए क्वालीफाई किया है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला पैरा-साइकिलिस्ट भी हैं। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी करने के बजाय इस युवा खिलाड़ी को प्रशासनिक लड़ाई लड़नी पड़ रही है। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन वह हार नहीं मानेगी। लीशा पूरे दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी। '' लीशा ने अपने ईमेल में लिखा, ''कल फिर अधिकारियों ने मेरे कोच के फोन पर वीडियो कॉल के माध्यम से मुझसे संपर्क किया। मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं नाबालिग हूं और मेरे कोच तथा डॉ शेख ही मेरे अभिभावक और सहयोगी हैं जो मेरे प्रशिक्षण, देखभाल और तैयारी से सीधे जुड़े रहे हैं। ''

उन्होंने लिखा, ''मैंने अनुरोध किया कि मुझसे संबंधित किसी भी विषय पर सीधे उन्हीं से बात की जाए।'' उन्होंने लिखा, ''मैं अपनी ट्रेनिंग और प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही हूं। लेकिन लगातार अनिश्चितता, फोन कॉल, संदेश और प्रशासनिक बाधाओं ने ऐसे समय में मुझ पर अत्यधिक तनाव डाल दिया है, जब मुझे प्रतियोगिता की तैयारी कर देश के लिए पदक जीतने पर ध्यान देना चाहिए। ''

लीशा ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की कार्रवाई और दस्तावेजों में आदित्य मेहता को उनका कोच दर्ज किया गया है।

उन्होंने लिखा, ''उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद मुझे अपने कोच और सहयोगी टीम के मुद्दे पर लगातार अनिश्चितता, बार-बार संपर्क और मानसिक उत्पीड़न जैसा महसूस हो रहा है।'' उन्होंने कहा, '' अगर के दत्तात्रय को तकनीशियन के रूप में भेजा जाता है तो मुझे उनकी उस भूमिका पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन कोच आदित्य मेहता का मेरे साथ कोच के रूप में होना आवश्यक है, साथ ही जरूरत पड़ने पर तकनीशियन या अन्य सहयोगी स्टाफ भी। ''

उन्होंने कहा, ''तकनीशियन और कोच की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं। उन्हें एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जा सकता। '' उन्होंने चेताया कि अगर उनके कोच को उनके साथ जाने की अनुमति नहीं दी गई, तो वह भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), पीसीआई या सीएफआई के बैनर या वित्तीय सहायता के तहत यात्रा नहीं करेंगी।

उन्होंने कहा, ''मैं अपनी यात्रा की व्यवस्था स्वयं करूंगी और अपने खर्च पर यात्रा करूंगी।'' अंत में लीशा ने कहा कि उन्हें इस स्तर तक पहुंचने के लिए प्रतियोगिताओं, उपकरणों और तैयारी के दौरान भारत सरकार, साइ, पीसीआई या सीएफआई से कोई सार्थक सहयोग नहीं मिला।

उन्होंने अनुरोध करते हुए कहा, ''मैं अनुरोध करती हूं कि संबंधित संगठन मेरी उपलब्धियों का श्रेय नहीं लें। साथ ही, मेरी अनुमति के बिना मेरे फोटो या व्यक्तिगत तस्वीरों का प्रचार या प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से उपयोग नहीं किया जाए। ''

शेफाली जरीवाला के निधन के 13 महीने बाद पराग त्यागी पर फिर टूटा दुखों का पहाड़, अब पेट डॉग सिम्बा की हुई मौत

डेस्क जगप्रेरणा।
'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला का 27 जून, 2025 को 42 साल की उम्र में निधन हो गया था। शेफाली की मौत से उनके पति और एक्टर पराग त्यागी बुरी तरह टूट गए। पराग अक्सर शेफाली की तस्वीरें-वीडियो शेयर करते हुए उनकी यादें फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। अब तक पराग, शेफाली की मौत के गम से बाहर नहीं आ पाए थे कि अब उन पर दुखों का एक और पहाड़ टूट पड़ा है। शेफाली और पराग का प्यारा पेट डॉग सिम्बा भी अब इस दुनिया में नहीं रहा। शेफाली के गुजरने के लगभग एक साल बाद, उनके पालतू कुत्ते सिम्बा की भी मौत हो गई, जो अक्सर शेफाली और उनके पति पराग त्यागी के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखाई देता था। शेफाली, अपने पेट डॉग को अपने बच्चे की तरह मानती थीं और उनके जाने के बाद पराग सिम्बा का ख्याल रख रहे थे। अब पराग ने एक दिल को छू लेने वाले कैप्शन के साथ सिम्बा के मौत की जानकारी दी है।

शेफाली जरीवाला के पेट डॉग की मौत

पराग त्यागी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसके जरिए उन्होंने सिम्बा की मौत की जानकारी दी। पराग कई बार बता चुके हैं कि शेफाली, सिम्बा से कितना प्यार करती थीं और अब उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए सिम्बा को आखिरी विदाई दी है। वीडियो शेयर करते हुए पराग ने कैप्शन में लिखा, 'अब मम्मा (शेफाली) अकेली नहीं हैं, सिम्बा भी मम्मा के पास है और बहुत खुश है। मैं आप दोनों से दूसरी दुनिया में मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' इस वीडियो में शेफाली, सिम्बा पर प्यार लुटाती दिख रही थीं।

सोशल मीडिया यूजर्स का रिएक्शन

पराग त्यागी का पोस्ट देखने के बाद फैंस ने भी कमेंट के जरिए सिम्बा की मौत पर दुख जाहिर किया और पराग को ढांढस बंधाया। एक ने कमेंट में लिखा, 'इतना दर्द सहने के बाद भी आप जिस तरह पॉजिटिव बने हुए हैं, वह बहुत ही प्रेरणादायक है। आप हर स्थिति में पॉजिटिविटी ढूंढ लेते हैं। भगवान की कृपा आप पर बनी रहे। रेस्ट इन पीस सिम्बा।' एक ने लिखा- 'बहुत ही दुखद, भगवान सिम्बा की आत्मा को शांति दे।' एक और लिखता है - 'ये बहुत ही दुखद खबर है। आपके लिए प्यार, प्रार्थना और हिम्मत। ईश्वर आप पर अपनी कृपा बनाए रखे।'

सिम्बा के साथ शेफाली का पुराना वीडियो

शेफाली जरीवाला के गुजरने के एक महीने बाद, 27 जुलाई को पराग ने सिम्बा की तरफ से शेफाली के लिए एक नोट लिखा था। 27 जून को शेफाली जरीवाला की पहली बरसी थी और एक्टर ने अपने डॉग सिम्बा के साथ आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के साथ उनकी पुण्यतिथि मनाई थी।

वहीं इससे पहले पराग ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि शेफाली की पहली बरसी से पहले वह 21 दिनों की करेंगे साधना। उन्होंने एक वीडियय शेयर किया था, जिसमें कहा- 'आज हिंदू पंचाग के हिसाब से आज परी को अपना शरीर छोड़े हुए 1 साल हो गया है। इसलिए मैं आज से नई साधना शुरू कर रहा हूं। ये 21 दिनों की है, जो ब्रह्म मुहूर्त में होती है।'

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

लोकतंत्र की भाषा लाठी और पत्थर नहीं, संवाद है..

लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान, असहमति के सम्मान और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने की सतत प्रक्रिया है। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की परिपक्वता का आकलन केवल निष्पक्ष चुनावों से नहीं होता, बल्कि इस बात से होता है कि वह मतभेदों और जन-असंतोष का समाधान किस प्रकार करता है। यदि असहमति का उत्तर चक्काजाम, पथराव और हिंसा से मिले तथा विरोध का प्रत्युत्तर अश्रु गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज से दिया जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के सुदृढ़ होने का नहीं, बल्कि संवाद की परंपरा के कमजोर पड़ने का संकेत है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति बल प्रयोग में नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद में निहित होती है।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होकर अपनी बात रखने का मौलिक अधिकार देता है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखते हैं। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। जब आंदोलन हिंसक हो जाते हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचता है, आम जनजीवन बाधित होता है या पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तब लोकतांत्रिक आंदोलन अपनी नैतिक ऊँचाई खोने लगते हैं। दूसरी ओर, यदि शासन-प्रशासन प्रत्येक विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर दमनात्मक दृष्टिकोण अपनाए, तो जनता और सरकार के बीच विश्वास का संकट गहराने लगता है। लोकतंत्र में दोनों ही स्थितियाँ समान रूप से चिंताजनक हैं।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न भागों में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आए हैं, जहाँ संवाद के स्थान पर टकराव ने परिस्थितियों को और जटिल बना दिया। हिंसक झड़पें, आगजनी, पथराव और सार्वजनिक संपत्ति का विनाश केवल आर्थिक क्षति ही नहीं पहुँचाते, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक विश्वास को भी कमजोर करते हैं। यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है कि क्या हम मतभेदों को संवाद के बजाय संघर्ष के माध्यम से व्यक्त करने लगे हैं? साथ ही यह संभावना भी नज़र अंदाज़ नहीं की जा सकती कि कुछ असामाजिक अथवा राष्ट्रविरोधी तत्व सामाजिक तनाव और जन-असंतोष का लाभ उठाकर समाज में विभाजन और अस्थिरता पैदा करने का प्रयास करते हों।

भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रेरणा देता है। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से यह सिद्ध किया कि नैतिक शक्ति किसी भी हिंसक शक्ति से अधिक प्रभावशाली होती है। वहीं, डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक परिवर्तन का मार्ग संविधान, विधि और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से प्रशस्त किया। दोनों महापुरुषों की विरासत हमें यही सिखाती है कि स्थायी परिवर्तन हिंसा से नहीं, बल्कि संवाद, तर्क और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि किसी भी हिंसक स्थिति के लिए प्रायः केवल एक पक्ष उत्तरदायी नहीं होता। कई बार प्रशासनिक संवेदनशीलता का अभाव, संवाद में विलंब अथवा समय रहते समाधान का प्रयास न होना जन-असंतोष को बढ़ा देता है। दूसरी ओर, अनेक अवसरों पर उपद्रवी तत्व शांतिपूर्ण आंदोलनों में घुसकर उन्हें हिंसक दिशा दे देते हैं। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, भ्रामक प्रचार तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें भी परिस्थितियों को और अधिक विस्फोटक बना सकती हैं। इसलिए किसी भी घटना का मूल्यांकन पूर्वाग्रह से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक सभी पक्षों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में पुलिस और नागरिक विरोधी नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक शांति के साझेदार होते हैं। पुलिस की भूमिका केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है; उसे संवेदनशीलता और जन-विश्वास का भी परिचय देना चाहिए। इसी प्रकार नागरिकों का दायित्व केवल अधिकारों की माँग करना नहीं, बल्कि विधि के शासन का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से अपनी बात रखना भी है।

राजनीतिक दलों और मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक राजनीति का उद्देश्य जनभावनाओं को भड़काना नहीं, बल्कि उन्हें रचनात्मक दिशा देना होना चाहिए। सभी दलों को हिंसा की स्पष्ट और समान रूप से निंदा करनी चाहिए, चाहे वह किसी भी पक्ष से हुई हो। मीडिया और सोशल मीडिया मंचों पर भी तथ्यपरक, संतुलित और उत्तरदायी प्रस्तुति लोकतंत्र की आवश्यकता है। अपुष्ट सूचनाएँ, भ्रामक वीडियो और उत्तेजक टिप्पणियाँ सामाजिक तनाव को कई गुना बढ़ा सकती हैं।

असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है-बशर्ते उसे संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर अभिव्यक्त किया जाए। यदि समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी यह समझ ले कि विचारों का उत्तर विचारों से, तर्क का उत्तर तर्क से और असहमति का समाधान संवाद से ही संभव है, तो भारत विश्व के सबसे परिपक्व लोकतंत्रों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ कर सकता है।

आज भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक, तकनीकी और सामरिक दृष्टि से निरंतर सशक्त हो रहा है। ऐसे समय में देश के भीतर सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का महत्व और बढ़ जाता है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संवाद की परंपरा है। यदि हम अपने आंतरिक मतभेदों का समाधान संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप करेंगे, तो यही हमारी सबसे बड़ी वैश्विक पहचान बनेगी।

अंततः लोकतंत्र में विजय किसी सरकार, विपक्ष या किसी आंदोलन की नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की होनी चाहिए। ऐसा वातावरण निर्मित करना समय की आवश्यकता है जहाँ विरोध हो, पर वैमनस्य न हो; असहमति हो, पर हिंसा न हो; प्रशासन दृढ़ हो, पर संवेदनहीन न हो; और आंदोलन प्रभावी हों, पर शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रहें।

लोकतंत्र का सामर्थ्य न लाठी में है, न पत्थर में। उसकी वास्तविक शक्ति संवाद, संवैधानिक मर्यादा, पारस्परिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व में निहित है। यदि भारत को विकसित, समरस और विश्व के लिए आदर्श लोकतंत्र बनाना है, तो हर भारतीय को यह स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र की भाषा लाठी और पत्थर नहीं, केवल संवाद है।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

दिन ढलने से पहले..

मैं हर रोज़ जीता हूँ,
एक रोज़ मर जाने को।

सुबह आँख खोलते ही लगता है,
आज फिर वही दौड़, वही शोर।
रात आते-आते थक जाता हूँ,
पर नींद भी हिसाब माँगती है।

न जाने क्यों दिन ढलता है,
इतनी जल्दी हाथ से फिसल जाता है।
रात क्यों चली आती है,
बिना दस्तक, बिना वजह।

मैं हर रोज़ खुद को संभालता हूँ,
टूटे हुए टुकड़ों को फिर से जोड़ता हूँ।
लोग पूछते हैं 'कैसे हो?'
और मैं मुस्कुरा कर कह देता हूँ 'बढ़िया'।

फिर एक दिन समझ आया,
मरना आखिरी नहीं है।
जीने के बीच में ही,
कहीं एक वजह छुपी है।

शायद किसी की हंसी में,
किसी के 'तू है' कहने में,
या बस चाय की पहली चुस्की में।

इसलिए मैं हर रोज़ जीता हूँ,
क्योंकि उस 'एक रोज़' से पहले,
हज़ार रोज़ और जीने बाकी हैं।
दिन ढलने से पहले।

लेखक

हिमांशु हाड़गे
बालाघाट

जाग, जाग रे ऐ इन्सान

प्रश्न भी तू, तू उत्तर भी
तू शंका और समाधान।
जाग, जाग रे ऐ इन्सान।।
व्यर्थ भंवर में खोया है।
किया स्वयं फिर रोया है।
फल वैसा ही पाया तुमने
बीज को जैसा बोया है।
सिर पर पर्वत, नन्ही जान।
जाग जाग रे ऐ इन्सान।।
चक्कर तेरे- मेरे का
चौरासी के फेरे का
बांध बिस्तरा हो तैयार
नहीं भरोसा डेरे का।
नहीं तू मालक, है मेहमान
जाग जाग रे ऐ इन्सान।।
जो पाया वो खोना है।
तेरा कुछ न होना है।
जाएगा तन साथ नहीं
तू तो एक खिलौना है।
कठपुतली तू खुद को मान।
जाग जाग रे ऐ इन्सान।।

रचनाकार

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

शब्दवर्गपहेली क्र.- 226

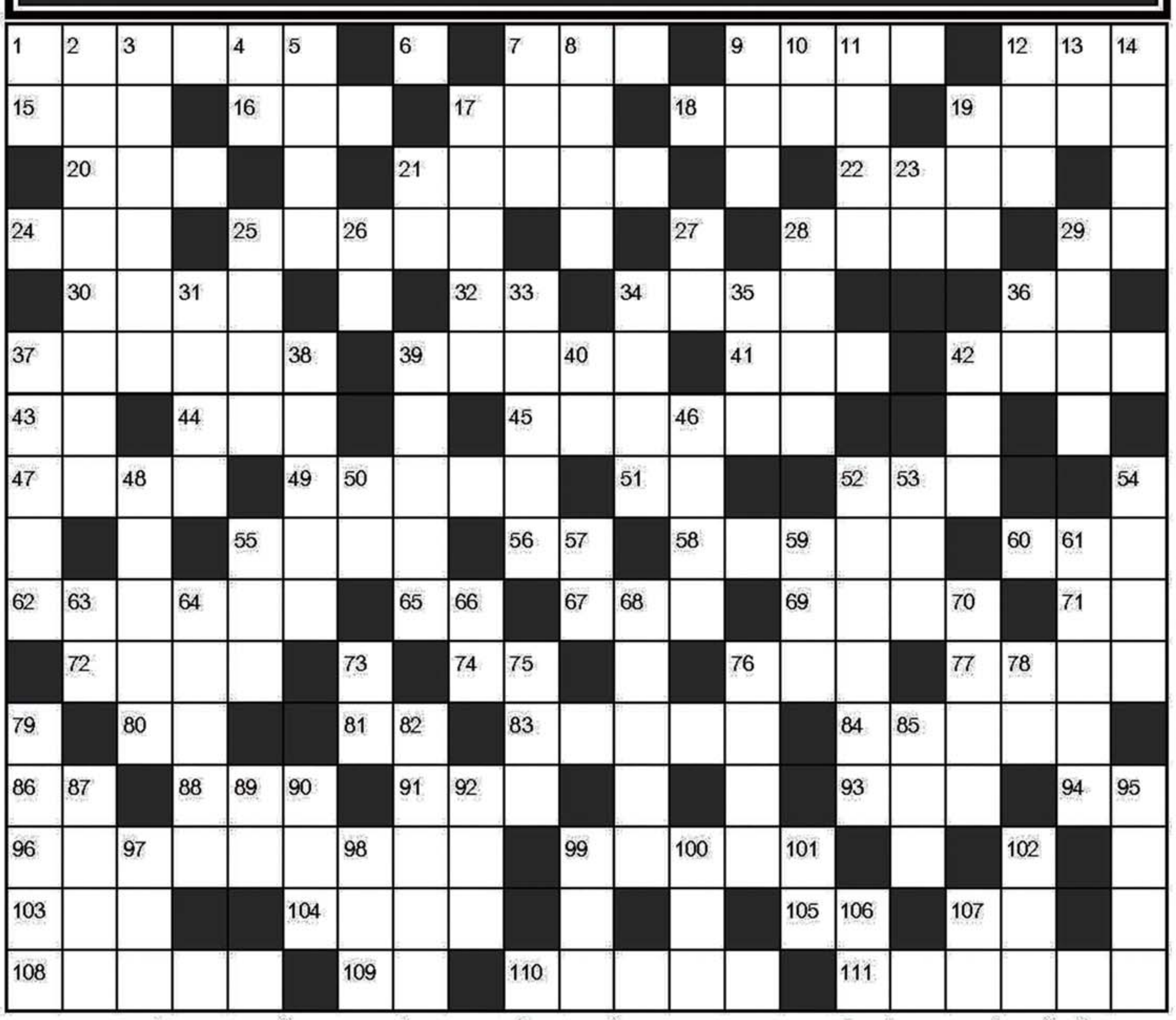

Åij I। uhp ।& 1) पुष्प 2) एक स्वतंत्रता सेनानी जिनकी ब्रिटिश काल में सायमन कमीशन के विरोध में किये गये प्रदर्शन में लाठी हमले से मृत्यू हुयी थी 3) एक पुराना कुप्रसिद्ध ठग जो जालसाजी के जाना जाता था 4) आदर सम्मान 5) अनुचित, अयोग्य 7) निःशब्द 8) आयुर्वेदिक औषधी, एक शास्त्र विषय 9) आवरण (अंग्रेजी) 10) रामायण में रावण की राजधानी 11) विजयादशमी का त्यौहार 12) चान्दी 13) नियंत्रण 14) नाश 17) देव आनंद और वैजयंतीमाला की एक पुरानी सुपरहिट फिल्म 19) बड़प्पन, महिमा, नारद की वीणा का नाम 21) हमेशा 23) क्रोध का आवेश जिसमें अधिकार की झलक हो 25) सिंह 26) पुरुष 27) औषधी 28) इठलाना, ठसक करना 29) एक मुगल सम्राट 31) विश्वासपूर्वक 33) पूरी जिम्मेदारी 34) नयी कहानी 35) सनी देओल, अमिषा पटेल, अमरीश पुरी की एक पुरानी सफल फिल्म 36) पशुओं के खाने की घास–पात 37) कमीना होने का भाव 38) क्रोध के कारण चेहरा लाल होना 39) त्रुटि, गलती 40) एक मादक पदार्थ 42) फाड़े हुए दूध का छेना 46) वह तालाब जहां ताजिये डुबोये जाते है 48) असावधानी 50) मोटी डोरी, लाओ का गलत उच्चारण 52) जम्मू कश्मीर की एक प्रसिद्ध मस्जिद जहां कुछ साल पूर्व आतंकवादियों ने बमबारी की थी 53) भयानक या डरावना (अंग्रेजी) 54) सामूहिक रुप से गाया जानेवाला गीत 55) यदि 57) गेहूं में लगनेवाला कीड़ा 59) किसी वस्तु का पतला टुकड़ा 61) बुरी नजर, कुदृष्टि 63) न्यायाधीश (अं.) 64) लहरीला 66) बांगला देश का चलन 68) पौराणिककाल का वह राजा जिसने सर्प यज्ञ किया था 70) नगर में रहनेवाला 73) मां का भाई 75) आग की ज्वाला 76) दादा के पिता 78) एक प्रसिद्ध द्वीप 79) 'कम से कम' का अपभ्रंश 82) पारिजात 85) माथे पर लगाया जानेवाला चन्दन का टीका 87) इस दरवाजे से उस दरवाजे तक 89) फायदा, नफा 90) सुरीला गीत 92) सिक्खों द्वारा सिरपर बांधने का कपड़ा 95) सब्जी 97) आंचल 98) पैर के नीचे का भाग 99) मालूम करना 100) सिर्फ 101) विष्णु पत्नी 102) कसम, आन 106) मुकुट, राजाओं के सिर का आभूषण 107) ईख

ck;I l। nk;I ।& 1) अत्याधिक प्रसन्न होना इस अर्थवाला एक मुहावरा 6) शत 7) कमल, पंकज 9) एक जाति जिसके पहले 'मस्त' विशेषण प्रयुक्त होता है 12) घुडसवारोंद्वारा घोडे पर चढ़ने का पावदान 15) मस्तक, माथा 16) दृश्य 17) अवधि 18) फुरसत, छुट्टी 19) लाचार 20) सौन्दर्य 21) समान आयु वाले 22) घायल और मारे हूए 24) एक प्रकार का चाकू, एक शस्त्र 25) भारी 28) एक नदी का नाम 29) विवाह 30) रफूचक्कर, भाग जाना 32) नजर, दृष्टि (उर्दू) 34) नया आया हुआ 36) इच्छा, पसंद 37) लाक्षणिक दृष्टि से किसी महत्वपूर्ण कार्य में घंटो जुट जाना या सारी रात किसी काम को पुरा करने में लगाना 39) महाराष्ट्र का एक शहर 41) सुखी धरती फटने पर बनी हुयी रेखा 42) हार 43) इतिहासकालीन एक श्रीकृष्ण प्रेमी महिला संत 44) कविता या पद्य (उर्दू) 45) दिल्लगी करना 47) एक पतला कपड़ा जिससे साड़ियां वगैरहा बनायी जाती है 49) तलाक लिया हुआ 51) राजस्थान का प्रसिद्ध मरुस्थल 52) ...... दीवारी , मकान के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से बनायी गयी दीवार 55) वह रात जिसमें चान्द पुरी रात गायब रहता है 56) श्रीरामजी का कुल वंश 58) कायम 60) सबेरा 62) कुदृष्टि लगाना 65) किसी शब्द आदि को बारबार दोहराना 67) जुकाम 69) क्रुद्ध दृष्टि से देखना 71) धोखा 72) रत्न 74) समय, अवधि, मृत्यू देवता 76) एक फूल 77) श्रीगणेशजी 80) इतिहास कालीन प्रसिद्ध प्रेमी रांझा की प्रियतमा 81) महीना 83) ईश्वर, भगवान 84) प्रथा, पुरानी परंपरा 86) मस्त हाथी के कनपटी से बहने वाला स्त्राव 88) बैठक 91) रिपोर्ट का हिन्दी करण 93) तख्ता, लकड़ी का पटरा 94) निमग्न, लीन 96) स्वतंत्रता काल पूर्व का एक प्रसिद्ध क्रांतिकारी 99) स्वादिष्ट 103) चरण, पैर 104) माल या सामान ढ़ोनेवाली रेलगाड़ी 105) जननी,, मां 107) झुठी बात 108) मरणप्राय का अपभ्रंश 109) दिन 110) आकलन न होना 111) हिन्दू धर्म में वर्णित चार धामों में से एक

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ	फ	गा	नि	स्ता	न		आ	सा	म		चू	हा		बा		ग		क	म	ला
स	र	फि	रा		त	वा	य	फ		मी	रा		अ	का	र	ण		ट	न	
मं		ल		क	म	र		सा	मा	न		वि	ज	य		ना	म	क	मा	ना
ज	य		कु		स्त		द	फ	न		व	ज	न	दा	र		ला		ना	रा
स	म	ध	न		क	म	ल		ना	का	म	या	बी		फा	हि	या	न		ज
में		न	कु	ल		हा	द	सा		न	न	द		मं	द			दी	प	
प	र	वा	ना		अ	का	ल		मौ	न		श	क		फा	स	ला		ता	रा
ड़		न		न	स	ल		अं	त		ज	मी	न		क	ह	ला	ना		म
ना	व		दू	भ	र		भा	ग		त	वा		क	त	र	ना		ला	ल	च
	न	सी	ब		दा	द	र		क	रा	ह	ना		ला	ना		भ	य		रि
मा	रा	मा	रा	फि	र	ना		सा		श	र	म	ना	क		नि		क	ना	त
र	ज		ज	रा		द		ब	र	ना	ला		री		श	रा	ब			मा
का		बै		क	मा	न	दा	र			ल	क		व		मि		चं	द	न
ट	क	सा	ल		ल		स	म	य		ने	ता	जी	सु	भा	ष	चं	द्र	बो	स
		ख	ब	र	दा	र		ती		क	ह	र		दे	व		द		च	
शो	ले		रा		र	जा	ई		आ	ब	रु		प	व	ना	र		सु	ना	र

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

संसदीय समिति का सेबी प्रमुख, सदस्यों के लिए अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि दो साल करने का सुझाव

नई दिल्ली, (भाषा)।

संसद की एक समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन और पूर्णकालिक सदस्यों के लिए पद छोड़ने के बाद नई नौकरी स्वीकार करने से पहले 'कूलिंग-ऑफ' यानी अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष करने की सिफारिश की है, ताकि हितों के टकराव की संभावना कम हो सके।

समिति ने तेजी से लोकप्रिय हो रही 'वर्चुअल' डिजिटल संपत्ति (वीडीए) यानी क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए भी व्यापक नियामकीय रूपरेखा तैयार करने की आवश्यकता बतायी है, जिससे खुदरा निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा हो सके।

सांसद भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त पर संसद की स्थायी समिति ने 'प्रतिभूति बाजार संहिता, 2025' पर अपनी रिपोर्ट बृहस्पतिवार को संसद को सौंपी।

पिछले साल दिसंबर में लोकसभा में पेश इस विधेयक का उद्देश्य सेबी अधिनियम, 1992, प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 और डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 को एकीकृत कर एक कानून बनाना है।

समिति ने सिफारिश की है कि सेबी चेयरमैन और पूर्णकालिक सदस्य पद छोड़ने के बाद प्रतिभूति बाजार से जुड़े किसी सेवा प्रदाता, बाजार प्रतिभागी या अन्य संबंधित संस्थान में नियुक्ति लेने से पहले दो वर्ष की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि पूरी करें ताकि हितों के टकराव की संभावना कम हो सके।

इसके अलावा, समिति ने वित्तीय क्षेत्र नियामकीय नियुक्ति खोज समिति जैसी पारदर्शी और योग्यता आधारित व्यवस्था के माध्यम से सेबी निदेशक मंडल (बोर्ड) के सदस्यों की नियुक्ति को संस्थागत रूप देने की भी सिफारिश की है।

समिति ने यह भी सुझाव दिया कि बाजार नियामक के अधिकारियों के अलावा बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों और प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के अधिकारियों को भी अच्छे इरादे से किए गए कार्यों के लिए कानूनी संरक्षण दिया जाए।

समिति की अन्य प्रमुख सिफारिश वर्चुअल डिजिटल संपत्ति को लेकर है। समिति ने कहा कि वर्चुअल डिजिटल संपत्ति को प्रस्तावित कानून से बाहर रखने से नियामकीय अस्पष्टता पैदा होगी।

समिति ने सरकार से क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए व्यापक नियामकीय ढांचा तैयार करने पर विचार करने को कहा है जिससे निवेशकों के हितों की रक्षा हो सके।

साथ ही, जब तक ऐसा कानून नहीं बन जाता, तब तक किसी मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन के माध्यम से अंतरिम नियामकीय व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया है।

समिति ने बाजार से जुड़े जटिल मामलों की जांच पूरी करने की समय सीमा प्रस्तावित 180 दिन से बढ़ाकर एक वर्ष करने की सिफारिश की है।

निवेशक संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए समिति ने सेबी के लिए निवेशकों के अधिकार और शिकायत निपटान समयसीमा को बताने वाला 'निवेशक चार्टर' जारी करना अनिवार्य बनाने और प्रारंभिक शिकायत निपटान की समय सीमा 180 दिन से घटाकर 90 दिन करने का सुझाव दिया है।

प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन परिवेश बनाने के लिए सरकार, उद्योग मिलकर काम करें: केंद्रीय मंत्री नाइक..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक ने बृहस्पतिवार को सरकारों, उद्योग जगत, स्टार्टअप, शिक्षण संस्थानों, वित्तीय संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हरित हाइड्रोजन परिवेश विकसित करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

नाइक ने उद्योग मंडल फिक्की के 'भारत हरित हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2026' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक ऊर्जा बदलाव एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

उन्होंने कहा, ''अब सवाल यह नहीं है कि हरित हाइड्रोजन उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का आधार बनेगा या नहीं, बल्कि यह है कि कौन से देश इस बदलाव का नेतृत्व करेंगे। भारत हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए अनूठी स्थिति में है।''

मंत्री ने कहा, ''हमें मिलकर 'मेड-इन-इंडिया' हरित हाइड्रोजन को स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और टिकाऊ औद्योगिक विकास के भरोसेमंद प्रतीक के रूप में स्थापित करना है।÷

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन ने देश में एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार परिवेश बनाया है। उत्पादन प्रोत्साहन योजनाएं, स्वदेशी इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण, रिफाइनरी और उर्वरक क्षेत्रों में मांग निर्माण, परिवहन, नौवहन और इस्पात क्षेत्र में पायलट परियोजनाएं तथा अनुकूल नियामकीय ढांचा नीति को व्यावसायिक वास्तविकता में बदल रहे हैं। नाइक ने कहा, ''भारत में हरित हाइड्रोजन अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक अवसर बन चुका है। बड़े पैमाने पर उत्पादन से लेकर देश में विकसित पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन के उद्घाटन तक की प्रगति भारत की क्षमताओं को दर्शाती है, जो उसे वैश्विक हाइड्रोजन केंद्र बनाने में मदद कर सकती है।''

उन्होंने कहा कि वैश्विक हाइड्रोजन केंद्र बनने के लिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए नवाचार, लागत प्रतिस्पर्धा, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक वैश्विक साझेदारी की आवश्यकता होगी।

कार्यक्रम में गुजरात के ऊर्जा राज्यमंत्री आर गणेशभाई पटेल ने कहा कि गुजरात भारत के हरित हाइड्रोजन विकास का इंजन बनने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रचुर नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन, विश्वस्तरीय बंदरगाह, मजबूत औद्योगिक ढांचा और प्रगतिशील हरित हाइड्रोजन नीति मौजूद है, जो उत्पादन, नवोन्मेष और निर्यात के लिए एकीकृत व्यवस्था उपलब्ध कराती है।

फिक्की की महानिदेशक ज्योति विज ने कहा कि भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक वैश्विक हरित हाइड्रोजन बाजार में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। इसके लिए विश्वस्तरीय निर्यात ढांचे का निर्माण, भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना और कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में आगे बढ़ रहे देशों के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी विकसित करना जरूरी है।

रुपया 20 पैसे टूटकर 96.73 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।

रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे लुढ़ककर 96.73 के स्तर पर बंद हुआ। यह इसका लगभग दो माह का निचला स्तर है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा।

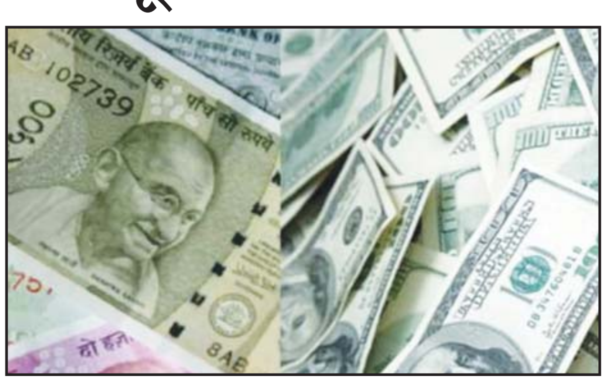

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली के दबाव के कारण विदेशी पूंजी की और निकासी हुई, जिससे स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.53 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान 96.45 से 96.73 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट के साथ 96.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 28 पैसे टूटकर 96.53 के स्तर पर बंद हुआ था। 20 मई को भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 96.86 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुई थी। इसी दिन इसने दिन के कारोबार का अपना निम्नतम स्तर 96.95 को छुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''कमजोर घरेलू बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण रुपये पर दबाव रहा। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है।''

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ता से रुपये में तेज गिरावट को रोका जा सकता है। उनके अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपया का हाजिर भाव 96.30 से 96.85 रुपये के दायरे में रहने की उम्मीद है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने, विशेषकर हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी तेल टैंकरों पर हमले के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेज उछाल रुपये को प्रभावित करने वाला प्रमुख नकारात्मक कारक है।

उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक का बाजार में हस्तक्षेप रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद करेगा।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 101.12 पर लगभग स्थिर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.21 प्रतिशत बढ़कर 96.15 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं।

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ 363.66 अंक टूटकर 76,391.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 126.65 अंक गिरकर 23,869.60 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को शुद्ध आधार पर 2,999.23 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की।

पेटीएम का यूपीआई भुगतान कारोबार उद्योग से दोगुनी रफ्तार से बढ़ा, युवा उपयोगकर्ता बढ़े

नई दिल्ली, (भाषा)।

डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम ने कहा है कि भुगतान ऐप को सरल बनाने और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुविधाओं में निवेश से उसे जेन-जेड ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है।

पेटीएम ने कहा कि कंपनी का यूपीआई भुगतान कारोबार लगातार दूसरी तिमाही में व्यापक उद्योग की तुलना में दोगुनी से अधिक रफ्तार से बढ़ा है। पेटीएम ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उपभोक्ता यूपीआई सकल लेनदेन मूल्य (जीटीवी) में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जो बढ़कर 5.9 लाख करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि दर पूरे यूपीआई उद्योग की वृद्धि दर से करीब 2.2 गुना अधिक है। इस दौरान मासिक लेनदेन करने वाले उपयोगकर्ताओं (एमटीयू) की संख्या 60 लाख बढ़कर आठ करोड़ हो गई।

कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने तिमाही नतीजों के बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी किसी एक वित्तीय उत्पाद पर निर्भर रहने के बजाय ऐप के अनुभव को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही है। इससे ग्राहकों की भागीदारी बढ़ रही है और युवा उपयोगकर्ता जुड़ रहे हैं।

शर्मा ने कहा, ÷पेटीएम ऐप में जो सरल सुविधाएं और नए फीचर पेश किए गए हैं, वे हमारी वृद्धि को गति दे रहे हैं। हम नए जेन-जेड ग्राहकों को जुड़ते देख रहे हैं और पेटीएम इस युवा पीढ़ी के लिए पसंदीदा विकल्प बनता जा रहा है।÷

कंपनी ने कहा कि उत्पादों में नवाचार और एआई आधारित ग्राहक जोड़ने की रणनीति से उसे लगातार पांच तिमाहियों से उपभोक्ता भुगतान बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिली है। इस दौरान उसका उपभोक्ता भुगतान कारोबार यूपीआई उद्योग की तुलना में दोगुनी से अधिक गति से बढ़ा है। पिछले एक साल में पेटीएम ने कई नई सुविधाएं शुरू की हैं। इनमें मासिक एआई खर्च सारांश, भुगतान छिपाने की सुविधा, कई बैंक खातों में उपलब्ध कुल राशि देखने की सुविधा, पॉकेट मनी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

कंपनी का कहना है कि इन सुविधाओं से उसे प्रतिस्पर्धी कंपनियों से अलग पहचान बनाने में मदद मिली है। इसके अलावा, पेटीएम ने किशोरों के लिए पेटीएम पॉकेट मनी सुविधा भी शुरू की है।

शर्मा ने कहा कि कंपनी का ध्यान किसी एक ऋण या वित्तीय सेवा उत्पाद के जरिये वृद्धि हासिल करने के बजाय ग्राहकों को बनाए रखने और उन्हें अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता बनाने पर है। उन्होंने कहा, ÷हम उपभोक्ता कारोबार में ग्राहकों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि हमारे साथ जुड़े ग्राहक बेहतर अनुभव महसूस करें और पेटीएम का अधिक सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें।÷

पेटीएम ने कहा कि एआई आधारित परिचालन क्षमता से राजस्व वृद्धि अप्रत्यक्ष खर्चों की तुलना में तेज हो रही है, जिससे लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा है।

सीसीआई जांच: इंडिगो ने बड़े पैमाने पर उड़ान प्रभावित होने से निपटने को कदम उठाने का किया प्रस्ताव..

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने बड़े पैमाने पर उड़ान बाधित होने की स्थिति से निपटने के लिए कई कदम उठाने का प्रस्ताव किया है। इनमें संकट प्रबंधन समूह, अलग से शिकायत निवारण व्यवस्था

और जरूरत पड़ने पर हवाई अड्डा प्राधिकरणों को अस्थायी रूप से स्लॉट सौंपना शामिल है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की कंपनी के खिलाफ कथित अनुचित कारोबारी गतिविधियों को लेकर जांच के बीच इंडिगो ने यह कहा है।

सीसीआई ने फरवरी में इंडिगो द्वारा दिसंबर, 2025 में परिचालन संबंधी समस्याओं के कारण हजारों उड़ानें रद्द किए जाने के बाद एयरलाइन के खिलाफविस्तृत जांच का आदेश दिया था। उड़ानें रद्द होने से बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था।

घरेलू विमानन बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए सीसीआई के समक्ष पांच प्रमुख प्रतिबद्धताएं पेश की हैं। ये प्रस्ताव सीसीआई के प्रतिबद्धता नियमों के तहत दिए गए हैं। नियमों के अनुसार, यदि सार्वजनिक टिप्पणियां लेने और मूल्यांकन के बाद सीसीआई इन प्रस्तावों को स्वीकार कर लेता है, तो मौजूदा जांच को समाप्त किया जा सकता है।

सीसीआई की सार्वजनिक सूचना के अनुसार, इंडिगो ने वरिष्ठ अधिकारियों वाला संकट प्रबंधन समूह गठित करने का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा प्रभावित यात्रियों की सहायता के लिए अलग से 24 घंटे काम करने वाला ग्राहक अनुभव 'वॉर रूम' बनाने की भी योजना है। आयोग ने इन प्रस्तावों पर लोगों से प्रतिक्रियाएं मांगी है। एयरलाइन ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए विभिन्न हवाई अड्डों पर अतिरिक्त सेवा प्रदाताओं को शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा है, ताकि जरूरत पड़ने पर यात्रियों के लिए भोजन पैकेट, पानी और सड़क परिवहन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इंडिगो ने इसके साथ वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था करने और तय समय सीमा के भीतर पैसे वापसी की स्वचालित प्रक्रिया शुरू करने की बात भी कही है। फिलहाल सीसीआई की जांच सार्वजनिक टिप्पणियों और प्रस्तावों के मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी होने तक रोक दी गई है। इंडिगो ने कहा कि औपचारिक संकट प्रबंधन समूह, संरचनात्मक व्यवधान समीक्षा व्यवस्था और बड़े स्तर पर उड़ान बाधित होने की स्थिति में स्लॉट को हवाई अड्डा प्राधिकरणों को सौंपने की व्यवस्था से ऐसी परिस्थितियों का समय पर और समन्वित तरीके से प्रबंधन किया जा सकेगा। इससे बाजार क्षमता में अनजाने में कमी आने की स्थिति भी रोकी जा सकेगी। प्रस्तावों में एक महत्वपूर्ण पहल यह है कि बड़े पैमाने पर परिचालन बाधित होने पर इंडिगो सीमित अवधि के लिए अपने घरेलू उड़ानों के उतरने और प्रस्थान 'स्लॉट' संबंधित हवाई अड्डा संचालकों या प्राधिकरणों को सौंपने को तैयार है।

कच्चे तेल के दाम में उछाल से बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 364 अंक और टूटा..

मुंबई, (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला बृहस्पतिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल के दाम में उछाल से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 364 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 127 अंक की गिरावट आई।

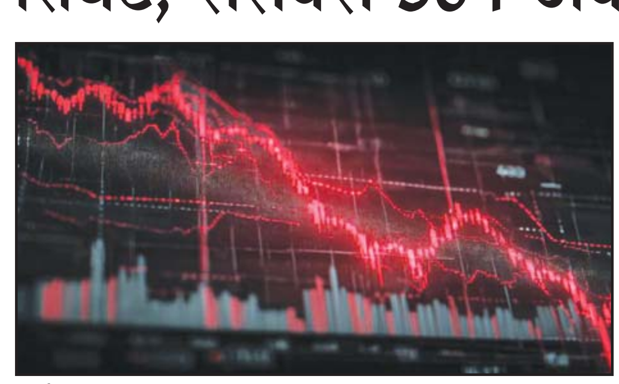

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 363.66 अंक यानी 0.47 प्रतिशत टूटकर 76,391.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 603.07 अंक लुढ़ककर 76,151.98 अंक तक आ गया था।

वहीं, पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 126.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत टूटकर 23,869.60 अंक पर बंद हुआ।

कुल मिलाकर चार दिन में बीएसई सेंसेक्स 1,760.06 अंक और एनएसई निफ्टी 464.7 अंक के नुकसान में रहे हैं।

सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सबसे अधिक 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इटर्नल और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 4.52 प्रतिशत बढ़कर 98.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई।

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि और वैश्विक स्तर पर एआई निवेश को लेकर फिर से बढ़ी चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है।''

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 819.20 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधाओं की आशंका के बीच कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इससे महंगाई और कंपनियों के मुनाफे पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता बढ़ी है।''

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.10 प्रतिशत टूटा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 1.07 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

बीएएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,684 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,556 शेयर लाभ में रहे। वहीं 151 के भाव अपरिवर्तित रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे।

हालांकि, यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

सेंसेक्स बुधवार को 715.06 अंक और निफ्टी 191.45 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विशेष सफलता अर्जित करने वाले युवा अधिकारियों ने सांदीपनी के विद्यार्थियों को दिया कैरियर मार्दशन

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के चलते हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा लांजी।

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए प्रख्यात सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव लांजी बालाघाट में छात्र

छात्राओं को मिला केरियर गाइडेंस सांदीपनि विद्यालय में 15 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत 23 जुलाई को छात्र छात्राओं के उचित मार्गदर्शन हेतु केरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लांजी- किरनापुर क्षेत्र से विशेष सफलता अर्जित करने वाले नवोदित युवा प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया जिसमें वेदप्रकाश नगपुरे (खाद्य सुरक्षा अधिकारी), महेश ढोक(सहायक प्राध्यापक लांजी), गुर्वेश महिश्वरे (आफिस सुपरीटेंडेंट आयकर विभाग), रितेश सोनवाने (सहायक प्राध्यापक लांजी)एवं अन्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने अपने संबोधन में अपनी सफलता एवं संघर्ष को छात्र छात्राओं के साथ साझा किया एवं छात्र छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया कि उन्हें जीवन में एक निश्चित उद्देश्य को लक्ष्य करके कठिन परिश्रम कर किस प्रकार सफलता को अर्जित किया जा सकता है। महेश ढोक ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता कभी तो सीधे तौर पर प्राप्त होती है एवं कभी पड़ाव के रूप में प्राप्त होती है अतः हमें जीवन में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उसी प्रकार वेदप्रकाश नगपुरे ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि हम ग्रामीण परिवेश में निवास करते हैं एवं हम सीमित संसाधनों में भी उच्चतर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं जरुरत है सही दिशा में उचित प्रयास करने की। आगे दुर्वेश महिश्वरे ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता को अर्जित करने के धैर्य के साथ सतत् प्रयास करते रहना चाहिए, क्योंकि सफलता एक दिन में नहीं मिलती लेकिन एक दिन जरूर मिलती हैं। इसी क्रम में रितेश सोनवाने ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपको कक्षा दसवीं के बाद से ही अपना लक्ष्य निर्धारित कर उचित दिशा में सार्थक प्रयास कर रहना है, सफलता आपको अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस मंच विराजमान सभी युवा प्रतिभा हमारे क्षेत्र एवं जिला के गौरव है। और इन्होंने अपनी क्षमता एवं योग्यता से यह साबित कर दिया कि सीमित संसाधनों से भी सफलता प्राप्त की जा सकती हैं। हमारे ग्रामीण अंचलों में प्रतीभा की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं अवसर उपलब्ध कराने की और हमारा सांदीपनि विद्यालय सदैव इसी दिशा में प्रयासरत रहता है।

आगे आपने छात्र-छात्राओं से कहा कि आप भी इन प्रतिभाओं से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में आमंत्रित नवोदित प्रतिभाओं के साथ ग्राम अतिथि, विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं सहायक कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं की गरिमामई उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के वरिष्ठ शिक्षक सरोज कुमार पटेल एवं रविप्रकाश सहारे द्वारा किया गया।

मजदूर संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन, उपकेन वराडे बने अध्यक्ष

जगप्रेरणा लांजी।

भारतीय मजदूर संघ (भामसं) के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार, 23 जुलाई को लांजी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय मजदूर संघ की लांजी ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, भगवान विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक महान विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ।

इस अवसर पर वक्ताओं ने भारतीय मजदूर संघ के इतिहास, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय मजदूर संघ की स्थापना 23 जुलाई 1955 को भोपाल में दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा की गई थी। संगठन का मूल ध्येय वाक्य 'राष्ट्र हित, उद्योग हित और श्रमिक हित' है। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ आज देश का सबसे बड़ा केंद्रीय श्रमिक संगठन है, जो श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण एवं उनके हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष योगेश यादव के पत्र क्रमांक भा.स.म.सं./07/2026 दिनांक 13 जुलाई 2026 के अनुसार लांजी ब्लॉक कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही लांजी ब्लॉक के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं में कार्यरत श्रमिकों से भारतीय मजदूर संघ से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में प्रांतीय, जिला संगठन एवं प्रशासनिक स्तर पर सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की गई। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता संतोष मोरघड़े (जिला सह प्रचार प्रमुख) रहे। अध्यक्षता योगेन्द्र दहिकर (खंड कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने की, जबकि जीवन किरनापुरे (पूर्व प्रांत संयोजक, विश्व हिंदू परिषद) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस दौरान भारतीय मजदूर संघ लांजी ब्लॉक की कार्यकारिणी में उपकेन वराडे को अध्यक्ष, नितिन बरघैया, इंद्रजीत अहिरवार, सुमित गोयल, वेदवती कावडे, मोहसिन खान एवं रावजी वाकले को उपाध्यक्ष, निर्भय नरताम को सचिव, शेखर करांहे, संतोषी वघाडे, रमेश उपराडे एवं नंदकिशोर लिल्हारे को सहसचिव, गोविंद राउत को कोषाध्यक्ष, विनोद तिवारी को मीडिया प्रभारी, रणदीप वराडे को सह मीडिया प्रभारी तथा उज्ज्वल श्रीवास्तव को कार्यकारिणी सदस्य घोषित किया गया। वहीं नगर परिषद लांजी कार्यालय इकाई के अध्यक्ष पद हेतु लक्ष्मीकांत सोनवाने को नामित किया गया।

कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विभागों के श्रमिकों की उपस्थिति रही। संगठन ने श्रमिक हितों की रक्षा एवं उनके अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अधिवक्ताओं, छात्र, छात्राओं ने निकाली रैली..

तहसील कार्यालय पंहुचकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा लांजी।

नीट पेपर लीक मुद्दे पर अब, लोग सरकार से जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे है। नीट पेपर लीक मामले में मोदी सरकार से जिम्मेदारी के साथ ही शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा

और दिल्ली के जंतर मंतर में प्रोटेस्ट कर रहे सीजेपी कार्यकर्ताओं तथा युवाओ पर किए गए लाठीचार्ज के विरोध में, लांजी में गुरूवार को प्रदर्शन देखा गया। यहां छात्र, छात्राओं और वकीलों ने रैली निकालकर, शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की और तहसील कार्यालय पहुंचकर, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

जिसमें उन्होंने लाठीचार्ज मामले की निंदा करते हुए, इसे देश के युवाओं की आवाज दबाने वाले कृत्य बताया। खास बात यह रही कि बारिश के बावजूद, प्रदर्शनकारियों का हौंसला कमजोर नहीं पड़ा और वह बारिश में भींगते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे और शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग रखी। अधिवक्ता ने बताया कि पेपर घोटाले के नाम से देश में जिस तरह से भ्रष्टाचार किया जा रहा है, उसका असर, विद्यार्थियों पर पड़ रहा है, कई बच्चे, ऐसे है, जिनका पेपर रद्ध होने से सब कुछ चला गया। देश की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। जिसके खिलाफ ही जंतर-मंतर में युवा आंदोलन कर रहे है। जिसे कुचलने और दबाने का काम, सरकार के ईशारे पर हो रहा है।

युवा शिवम ने बताया कि पेपर लीक के माध्यम से धांधली की जा रही है, जिससे छात्र, छात्राएं प्रभावित हो रहे है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान है। जिसको लेकर आवाज उठाने पर लाठीचार्ज कर उन्हें प्रभावित किया जा रहा है। हम सरकार से चाहते है कि ऐसा ना हो और शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दे और सरकार अपनी गलती की जिम्मेदारी ले।

जप में रोजगार मेले का आयोजन 75 युवक, युवतियों का हुआ चयन

जगप्रेरणा लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के आजीविका कार्यालय सभागार में गुरुवार 23 जुलाई को ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले में बड़ी संख्या में बेरोजगार युवक-युवतियों ने भाग लेकर विभिन्न निजी क्षेत्र की रोजगार संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की। रोजगार मेले में कैप्सटन सर्विस लिमिटेड, हैदराबाद के प्रतिनिधि शैलेन्द्र हरिंद्रवार एवं के.डी. सोनकिया ने अभ्यर्थियों को कंपनी की चयन प्रक्रिया, कार्य की प्रकृति, वेतनमान, अवकाश, आवास एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद इच्छुक अभ्यर्थियों का पंजीयन एवं चयन प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

रोजगार मेले के सफल आयोजन के लिए ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों ने पूर्व में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठनों तथा संकुल स्तरीय संगठनों के माध्यम से गांव-गांव तक रोजगार मेले की सूचना पहुंचाई गई, जिससे अधिक से अधिक युवक-युवतियों की सहभागिता सुनिश्चित हो सकी। मेले में कुल 132 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 75 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। चयनित युवाओं ने रोजगार का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ग्रामीण आजीविका मिशन एवं आयोजनकर्ताओं के प्रति आभार जताया। यह रोजगार मेला जिला परियोजना प्रबंधक स्वाति महतो के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में ग्रामीण आजीविका मिशन, जनपद पंचायत लांजी से सुनीता चन्ने एवं अतीत फुलमारी की भूमिका रही।

इस अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय से होलेस पांचे एवं कुशन मटाले, निर्भया संकुल स्तरीय संगठन से रविता साबले, कविता कुचलाहे, निशा उईके एवं मनीषा बागड़े, तथा प्रदान संस्था से निकुंज हनवत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

॥ ईश्तहार ॥

रा. प्र. क्र. 0047 अ-20 वर्ष 2025-2026
मौजा लांजी प. ह. न. 19/60

रा.नि.म. लॉजी तहसील-लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं, कि लॉजीगढ गोंड़वाना विकास समिति लॉजी द्वारा ग्राम लॉजी स्थित भूमि ख.न. 624/1/2 रकबा 0.809 हेक्ट. भूमि मे से 0. 061 हेक्ट. भूमि पर गोड़वाना सामुदायिक भवन निर्माण किये जाने हेतु भूमि आबंटन किये जाने के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। अतः उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हैं तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त दावे / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक 20/07/2026

तहसीलदार
लांजी बालाघाट (म.प्र.)

गायत्री परिवार ने स्व. शान्ति बड़गैया को दी श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग निवासी श्रीमती शांति देवी रामेश्वर बड़गैया का 21 जुलाई को दोपहर में निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार 22 जुलाई को कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

इनके निधन पर 23 जुलाई 2026 दिन गुरुवार को अपरान्ह 4 बजे गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा शक्तिपीठ के प्रशिक्षण सभागृह में शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मां गायत्री एवं पूज्य गुरुदेव से उनके परिवार को यह दुःख सहन करने और अपने श्री-चरणों में स्थान देने की प्रार्थना कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गायत्री परिवार के किसनलाल मेहरबान, सुरजलाल बिलावर, कवनलाल लिल्हारे, विनोद तिड़के, श्रीमती प्रमिला तिड़के, सुमन आसटकर, ममता तिड़के, कु.रोहिणी तिड़के, शैलेन्द्र विजयवार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

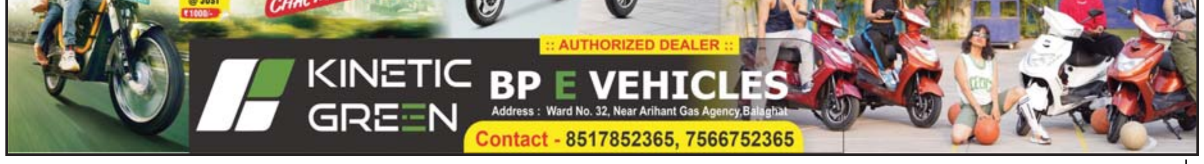

नशे से दूरी है जरूरी : युवाओं को मिला पुलिस प्रशासन का प्रेरक मार्गदर्शन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र ऐड़े (बालक इकाई) एवं डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे (बालिका इकाई) के नेतृत्व में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं बालाघाट पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत - नशे से दूरी है जरूरी' अभियान 2.0 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के वर्चुअल हॉल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय एवं डीएसपी सुश्री प्रतीक्षा राठौर सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा। डीएसपी सुश्री प्रतीक्षा राठौर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज दोनों के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री निहित उपाध्याय ने अत्यंत व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस प्रकार व्यक्ति धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त में फंसता है और अपराध की ओर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत आत्ममंथन, आत्मनियंत्रण और सकारात्मक जीवन दृष्टि से होती है। उन्होंने जिले में 15 से 31 जुलाई तक संचालित नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेविका प्रगति बोकाडे ने नशा मुक्ति विषय पर ओजस्वी कविता प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। उनकी प्रस्तुति पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर माय भारत नेशनल वॉलंटियर सिद्धार्थ गेडाम ने लेह-लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान स्वरूप विशेष गमछा भेंट कर पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर समाजसेवी आशीष मिश्रा ने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान 'नशे से दूरी है जरूरी', 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत', एवं 'हम सबने यह ठाना है, नशा मुक्त बालाघाट बनाना है' जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. उषा सिंह, डॉ. कंचन मसराम, डॉ. कुरैशी, डॉ. गजानन कटरे (एनसीसी अधिकारी), डॉ. राकेश पटले, प्रो. राहुल बाबा, प्रो. खिलेश्वर ठाकरे, प्रो. अरविंद पटले, डॉ. ताराचंद बड़घैया, प्रो. के.एल. अहिरवार, डॉ. सजिया तबस्सुम, डॉ. कमलेशिया सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

‘मेहनत से कमाओ, नशे में न उड़ाओ’ – उकवा खान में मजदूरों से बोले थाना प्रभारी कामेश धूमकेती..

पुलिस के ‘नशे से दूरी है जरूरी’ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन में चलाए जा रहे ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ अभियान के अंतर्गत नवागत थाना प्रभारी रूपझर कामेश धूमकेती बुधवार को उकवा खान पहुंचे।

उनका उद्देश्य सिर्फऔपचारिक बैठक करना नहीं था, बल्कि धरातल पर जाकर उन लोगों से संवाद करना था जो दिन-रात मेहनत कर देश की रीढ़ बनते हैं। खान परिसर पहुंचते ही श्री धूमकेती ने सबसे पहले मजदूरों के बीच जाकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने मजदूरों से उनके काम, वेतन, परिवार और रोजमर्रा की दिक्कतों के बारे में पूछा। कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अंडर ग्राउंड और आउटडोर दोनों जगह काम करने की प्रक्रिया को बारीकी से समझा।

इस दौरान उन्होंने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए बाहर काम कर रहे मजदूरों के साथ कुछ समय के लिए फावड़ा भी पकड़ा और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। थाना प्रभारी को अपने बीच पाकर मजदूर भी उत्साहित हो गए।

बैठक के दौरान श्री धूमकेती ने मजदूरों को जीवन के महत्व को समझाते हुए कहा, ÷भाइयों, आप लोग सुबह से शाम तक धूप, बरसात और सर्दी में पसीना बहाकर अपने परिवार का पेट पालते हैं। आपकी एक-एक दिन की कमाई बहुत कीमती है। अगर इस कमाई और इस अनमोल जीवन को शराब के नाम पर बर्बाद कर देंगे तो सोचिए आपके बच्चों का क्या होगा? घर की महिलाएं क्या सहेंगी? इसलिए नशे से दूर रहिए और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर उनका भविष्य उज्ज्वल बनाइए।÷

उन्होंने कहा कि पुलिस का काम सिर्फअपराध रोकना नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक कर अपराध की जड़ को खत्म करना भी है। नशा ही कई अपराधों की जड़ है। यदि आप नशे से दूर रहेंगे तो आप स्वस्थ रहेंगे, आपका परिवार खुश रहेगा और समाज में शांति बनी रहेगी। प्रभारी ने मजदूरों से अपील की कि यदि उन्हें कोई नशे का कारोबार करता दिखे या कोई मजबूर करे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। इस जागरूकता कार्यक्रम में चौकी प्रभारी निरीक्षक सुभाष दुबे, उकवा खान के अंडर ग्राउंड मैनेजर जयंत प्रधान, सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक, नितिन कुमार सहित थाना रूपझर का संपूर्ण स्टाफमौजूद रहा।

कार्यक्रम के अंत में मजदूरों ने थाना प्रभारी की इस पहल की खुले दिल से सराहना की और नशे से दूर रहकर मेहनत से जीवन जीने का संकल्प लिया।

रमेश कुम्हारे मजदुर - ‘टीआई साहब खुद हमारे साथ काम किए, बहुत अच्छा लगा। अब हम भी नशा छोड़ने की कोशिश करेंगे’

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी के प्रवेश हेतु बैहर ब्लॉक में चला व्यापक जनजागरूकता अभियान..

बीआरसी कार्यालय से लेकर ग्राम पंचायतों और शासकीय प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंची टीम, अधिक से अधिक विद्यार्थियों से आवेदन करने की अपील

जगप्रेरणा बैहर (बालाघाट)।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी, जिला बालाघाट (मध्य प्रदेश) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा के लिए बैहर विकासखंड में व्यापक जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय की निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों के आवेदन सुनिश्चित करना रहा।

इस अभियान के अंतर्गत कार्यालय जन शिक्षा केंद्र (बीआरसी) बैहर में श्री दीपेश कुमार जैन (टीजीटी हिन्दी) एवं श्री अयाज अंसारी (पुस्तकालय अध्यक्ष) ने बीआरसी, बीएसी तथा शिक्षकों की बैठक में नवोदय विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, परीक्षा एवं विद्यालय की विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपने-अपने विद्यालयों के पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा के लिए प्रेरित करने एवं समय-सीमा के भीतर आवेदन भरवाने का आग्रह किया।

इसके पश्चात दोनों अधिकारियों ने बैहर विकासखंड के विभिन्न शासकीय प्राथमिक विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से सीधे संवाद किया। इस दौरान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में उपलब्ध निःशुल्क आवासीय शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं, भोजन एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं ग्रामीण नागरिकों से भी संपर्क कर पात्र विद्यार्थियों तक जानकारी पहुंचाने तथा अधिक से अधिक आवेदन भरवाने का आग्रह किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान को उत्साहजनक समर्थन मिला और अभिभावकों ने अपने बच्चों को नवोदय विद्यालय में प्रवेश दिलाने के प्रति रुचि दिखाई।

श्री दीपेश कुमार जैन एवं श्री अयाज अंसारी ने बताया कि पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर की निःशुल्क एवं उत्कृष्ट आवासीय शिक्षा प्रदान करने वाला प्रतिष्ठित संस्थान है। उन्होंने सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समय पर भरवाकर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग करें।

बैहर विकासखंड में चलाया गया यह जनजागरूकता अभियान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बीच नवोदय विद्यालय के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा के लिए रिकॉर्ड संख्या में आवेदन प्राप्त होंगे।

29 अगस्त तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा जनआक्रोश: पंवार समाज..

राजा भोज प्रतिमा तोड़ने के विरोध में तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, सर्वसमाज से आंदोलन में शामिल होने की अपील

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

पंवार मंगल भवन में स्थापित सम्राट राजा भोज की प्रतिमा को खंडित किए जाने के मामले में पंवार समाज का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को लिंगा सर्कल अध्यक्ष टामेश्वर पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के बाद समाजजनों ने मध्यप्रदेश के

राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार परसवाड़ा को सौंपकर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सम्राट राजा भोज केवल पंवार समाज के नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास, संस्कृति, स्वाभिमान और गौरव के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना समाज की भावनाओं पर सीधा आघात है। प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की गई।

‘महापुरुष किसी एक समाज के नहीं होते’

क्षत्रिय पंवार समाज महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामेश्वर कटरे ने कहा कि इस घटना से केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि पूरे बालाघाट जिले में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक समाज के नहीं होते, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की धरोहर होते हैं। ऐसे महान व्यक्तित्वों की प्रतिमाओं के साथ दुर्व्यवहार अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है।

उन्होंने प्रशासन को 29 अगस्त तक का समय देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो जनआक्रोश आंदोलन का रूप ले लेगा और परसवाड़ा की सड़कों पर व्यापक विरोध प्रदर्शन देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन में केवल पंवार समाज ही नहीं, बल्कि सर्वसमाज की भागीदारी रहेगी। क्षेत्रवाद, जातिवाद, धर्मवाद और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी नागरिकों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की गई।

कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र होगा आंदोलन

जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन और लिंगा सर्कल अध्यक्ष टामेश्वर पटेल ने संयुक्त रूप से कहा कि यदि पुलिस प्रशासन जल्द ही घटना में शामिल असामाजिक तत्वों का पता लगाकर उनके खिलाफकठोर कार्रवाई नहीं करता, तो पंवार समाज व्यापक एवं उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

महिलाओं ने भी जताया आक्रोश

ज्ञापन कार्यक्रम में समाज की महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। उन्होंने एक स्वर में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए समाज की एकजुटता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में जिला संगठन सचिव डॉ. राजेंद्र कटरे, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष तपन राजा चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष दीपचंद ठाकरे, उमेश बिसेन, चन्द्रशेखर कटरे, प्रीतम बोपचे, योगेश शरणागत, तुलसीराम बघेल, शंकरलाल बघेल, नरेंद्र पटले, अशोक कटरे, लोकेश राहंगडाले, टीकम राहंगडाले, सुधीर पटले, शिवदयाल ऐडे, योगेश अमूले, रूपलाल कटरे, उर्मिला पटले, मीरा बिसेन, निशा बोपचे, गंगेश्वरी चौहान, मीना कटरे, पुष्पलता बिसेन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में समाजजनों ने स्पष्ट कहा कि सम्राट राजा भोज के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। दोषियों की गिरफ्तारी तक संघर्ष जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

दिनदहाड़े सूने घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी पार..

अरंडिया गांव में चोरी से दहशत, खेत गए दंपती के घर को बनाया निशाना..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

थाना क्षेत्र के ग्राम अरंडिया में बुधवार को दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफकर दिया। घटना उस समय हुई जब घर के मालिक और उनकी पत्नी खेत पर काम करने गए हुए थे।

दोपहर में घर लौटने पर चोरी का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अरंडिया निवासी किसान लिखीराम बिसेन (55) बुधवार सुबह करीब 8 बजे खेत चले गए थे। उनकी पत्नी भी सुबह करीब 10:30 बजे घर में ताला लगाकर खेत पहुंच गईं। दोपहर करीब 1 बजे पत्नी घर से खाना लेने लौटीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। इसकी सूचना उन्होंने फोन पर पति को दी।

दोनों ने घर पहुंचकर देखा तो अंदर रखे संदूक, आलमारी और सूटकेस के ताले टूटे हुए थे तथा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि घर में रखे दो सोने के मंगलसूत्र, दो जोड़ी झुमके, दो जोड़ी बालियां, सोने की तीन पत्ती, चांदी की दो जोड़ी पैरपट्टी, एक करधन तथा 15 हजार रुपए नकद गायब हैं।

पीड़ित ने बताया कि सभी जेवर पुराने और इस्तेमाल किए हुए हैं, जिनकी रसीद उनके पास नहीं है। चोरी की सूचना तत्काल परिजनों और पड़ोसियों को दी गई, जिसके बाद वे थाना परसवाड़ा पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) एवं 331(3) के तहत अपराध क्रमांक 113/2026 दर्ज किया है। मामले की जांच कार्यवाहक उपनिरीक्षक घूदान लाल अहिरवार को सौंपी गई है।

ढाई घंटे में वारदात को दिया अंजाम

प्राथमिक जांच के अनुसार चोरों ने सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच वारदात को अंजाम दिया। घर के सभी सदस्य खेत पर होने से मकान पूरी तरह सूना था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने ताले तोड़े और आराम से चोरी कर फरार हो गए।

ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना के बाद अरंडिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस आसपास के संदिग्धों और पूर्व में चोरी के मामलों में शामिल लोगों से पूछताछ कर रही है।

विधायक मधु भगत ने परसवाड़ा में राजा भोज की मूर्ति खंडित किए जाने का मुद्दा विधानसभा में उठाया

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मधु भगत ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान क्षेत्र की एक बेहद गंभीर और संवेदनशील घटना को सदन के पटल पर रखा है।

विधायक ने शून्यकाल के दौरान सूचना पत्र देकर परसवाड़ा में असामाजिक तत्वों द्वारा राजा भोज की प्रतिमा को खंडित किए जाने का मामला प्रमुखता से उठाया और सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। इस घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र में तनाव और जन-आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

विधानसभा सचिवालय को सौंपी गई आधिकारिक सूचना में विधायक मधु भगत ने घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनों परसवाड़ा में पंवार समाज के आराध्य, महान प्रतापी राजा भोज की भव्य प्रतिमा को कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर निशाना बनाया। उपद्रवियों ने न सिर्फप्रतिमा को पूरी तरह से खंडित किया, बल्कि उसके चार टुकड़े कर दिए। राजा भोज की प्रतिमा के साथ हुई इस बर्बरता की खबर फैलते ही बालाघाट जिले सहित पूरे प्रदेश की जनता और विशेषकर पंवार समाज में गहरा असंतोष और भारी आक्रोश फैल गया है।

विधायक ने स्थानीय पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की बेहद कमजोर स्थिति के कारण ही अपराधी इतने बेखौफहो चुके हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी स्थानीय पुलिस प्रशासन के हाथ खाली हैं और मुख्य आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अपराधियों की धरपकड़ न होने से स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग होने का खतरा मंडरा रहा है।

सदन के माध्यम से सरकार को चेतावनी देते हुए विधायक मधु भगत ने मांग की है कि इस घृणित कृत्य को अंजाम देने वाले दोषियों को बिना किसी देरी के तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने दोषियों के खिलाफसख्त से सख्त दंडात्मक कानूनी कार्रवाई करने की पुरजोर वकालत की है, ताकि भविष्य में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने मांग की है कि खंडित प्रतिमा के स्थान पर पूर्ण सम्मान के साथ नई प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए।

इस मामले के विधानसभा में गूंजने के बाद अब शासन और प्रशासन पर आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने का दबाव काफी बढ़ गया है। विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है, जिससे आने वाले दिनों में इस पर सियासत और गरमाने के आसार हैं।

‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ अभियान के तहत 612 विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रदेशव्यापी ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ अभियान के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय, आमगांव में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री डी.एस. वाडीवे ने लगभग 612 विद्यार्थियों, 32 शिक्षकों तथा 8 कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक रहने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

शपथ कार्यक्रम से पूर्व विद्यार्थियों को नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नशामुक्त जीवन के लाभ, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व तथा उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में नशे से दूरी बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार तथा समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाकर अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

11 शुक्रवार 24 जुलाई 2026
जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में 100 प्रतिशत कार्य हुए पूर्ण..

तलाठी राहुल कुकडे को विधायक संजय पुराम के हाथों मिला सम्मान

जगप्रेरणा देवरी।

देवरी तहसील के अत्यंत दुर्गम और आदिवासी बहुल क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाले 'धवलखेड़ी'के तलाठी राहुल कुकडे ने मतदाता सूची के 'विशेष

संक्षिप्त/ गहन पुनरीक्षण अभियान'में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मात्र सात दिनों में 100 प्रति. कार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है। उनके इस सराहनीय और उत्कृष्ट कार्य को सराहते हुए आमगांव में आयोजित 'छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान' शिविर में विधायक संजय पुराम के कर-कमलों द्वारा उन्हें विशेष प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। धवलखेड़ी क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत दुर्गम और आदिवासी इलाका है। ऐसे चुनौतीपूर्ण स्थान पर नागरिकों तक पहुँचकर मतदाता पंजीकरण, सुधार और पुनरीक्षण अभियान का कार्य 100 प्रति. पूरा करना बेहद कठिन था। हालांकि, तलाठी राहुल कुकडे ने दृढ़ संकल्प के साथ समय पर इस लक्ष्य को हासिल किया। उनकी इस लगन और तत्परता की कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की। आमगांव में आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान के भव्य कार्यक्रम में यह सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंच पर: संजय पुराम (विधायक), कविता गायकवाड़ (उपविभागीय अधिकारी), तहसीलदार देशमुख काथकडे सहित राजस्व विभाग के विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों मिले इस सम्मान के लिए तलाठी राहुल कुकडे पर राजस्व विभाग और आम नागरिकों की ओर से बधाइयों की बौछार हो रही है।

आमगांव में विश्व हिंदू परिषद का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग 25 से..

जगप्रेरणा आमगांव।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में 25 एवं 26 जुलाई 2026 को आमगांव में दो दिवसीय अभ्यास वर्ग का आयोजन किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण शिविर सालेकसा रोड स्थित साई लॉन में आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, अभ्यास वर्ग में कार्यकर्ताओं को शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य समर्पित, अनुशासित एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है।

इस दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में जिले के सभी प्रखंडों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। साथ ही विश्व हिंदू परिषद के प्रांत स्तर के प्रमुख पदाधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में जानकारी जिला गौरक्षा प्रमुख बालाराम व्यास एवं प्रखंड मंत्री जागेश रिणाईत ने दी। उन्होंने अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं से अभ्यास वर्ग में शामिल होकर प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की।

अजीत दादा पवार साहेब की जयंती के अवसर पर, 'सार्वजनिक सेवा सप्ताह' का शुभारंभ..

जगप्रेरणा सालेकसा।

महाराष्ट्र के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत दादा पवार साहेब की जयंती के अवसर पर, 'सार्वजनिक सेवा सप्ताह' के अंतर्गत, सालेकसा तालुका राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तालुका सालेकसा की ओर से मनोहर भाई पटेल महाविद्यालय सालेकसा में सुबह 10.30 बजे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महासचिव श्री प्रभाकर दोनोडे, तालुका अध्यक्ष श्री डॉ. अजय उमाटे, सालेकसा शहर अध्यक्ष ब्रजभूषण बैस, जिला महासचिव श्री डॉ. हीरालाल साठवने, प्रो. श्री नामदेव हटवार श्री बिसराम चरजे, तालुका युवा अध्यक्ष श्री बाजीराव तरोने, श्री अशोक गिरी गोस्वामी, राहुल जंगेरे द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्री नामदेव बागड़े, श्री शेंद्रे, श्री मेश्राम उपस्थित थे।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

ऑनलाईन ठगी के पैसे अपने खाते मे लेकर की धोखाधडी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 22/ 1/ 2026 के 2 बजे के दरम्यान सालेकसा मे शिवम संतोष सोरी उम्र 40 वर्ष निवासी विचारपुर ने अपने बँक आफ महाराष्ट्र के खाते मे ऑनलाईन ठगी के 1 लाख 40 हजार रुपये लिये और आरोपी को पैसे लेनदेन मे मदत करने से फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 358/2026 धारा 318,4,61,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी रोहीत दराडे पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

ज्यादा शराब पीने की वजह से युवक की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 15/ 7/ 2026 के 1 बजे के दरम्यान टेकचंद उदेलाल राऊत उम्र 30 वर्ष निवासी मरारटोला की ज्यादा शराब पिने की वजह से तबीयत खराब हुई। उसे उपचार के लिये गुप्ता हास्पीटल ले गया जहा से उसे केटीएस अस्पताल भेजा गया। केटीएस अस्पताल के डॉक्टर ने चेक कर मृत घोषीत करने से डेथ सर्टिफिकेट पर पोस्टे रावणवाडी मे अकस्मात मौत क्रमांक 25/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच पोहवा बघेले 788 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

आदर्श वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय शिवनी में पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत वृक्षारोपण..

जगप्रेरणा आमगांव।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से तहसील के आदर्श वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय, शिवनी में पर्यावरण जागरूकता अभियान

के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा वृक्षों के संरक्षण का महत्व समझाने के लिए विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वृक्षों के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व की जानकारी दी गई। 'एक विद्यार्थी-एक वृक्ष' की संकल्पना को अपनाते हुए प्रत्येक छात्र-छात्रा ने लगाए गए पौधे की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। साथ ही सभी से अपने आसपास कम से कम एक पौधा लगाकर उसका नियमित संरक्षण करने का आह्वान किया गया, ताकि क्षेत्र को अधिक हरित एवं प्रदूषणमुक्त बनाया जा सके।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल अंबुले, शिक्षक कृष्णकुमार देशमुख, शालिक यटरे, सुरेश मुधोळकर, अनिता मानकर एवं केमीला चांदेवार, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितों ने पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक शपथ लेते हुए वृक्षारोपण एवं वृक्षों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से कार्यक्रम सफल एवं प्रेरणादायी रहा।

डोंगरगांव (देवरी) में जमींदार दाजीबाभाऊ डोये की ऐतिहासिक हवेली

यह हवेली ब्रिटिश काल में साल 1907 में बनी थी..

जगप्रेरणा नंदूप्रसाद शर्मा देवरी।

गोंदिया जिले के देवरी तालुका के तहत आने वाले डोंगरगांव में जमींदार दाजीबाभाऊ डोये की एक शानदार हवेली है,

जिसकी एक ऐतिहासिक विरासत है। कहा जाता है कि उनके पास 44 गांवों और 25,000 एकड़ अपनी ज़मीन थी। यह हवेली ब्रिटिश काल में साल 1907 में बनी थी। इस हवेली की कुछ खास बातें इस तरह हैं:

मटीरियल और कारीगर: हवेली को बनाने के लिए ज़रूरी खास मटीरियल मुंबई से मंगवाया गया था, जबकि इसे बनाने वाले कारीगर मद्रास (चेन्नई) से थे। **अनोखी खूबसूरती:** इस हवेली को मोरबी कंपनी की चीनी मिट्टी (सिरेमिक) टाइल्स से सजाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इन टाइलों का रंग और चमक आज भी वैसी ही है। **स्ट्रक्चर:** यह महल तीन मंज़िला है, और इसके नीचे एक बड़ा बेसमेंट (तलघर) है। **महल का इतिहास और आज:** इस महल को बनाने और सामान इकट्ठा करने में करीब 6 से 7 साल लगे थे। यह जानकारी मौजूदा ज़मींदार पूर्णचंद्र राव और श्यामभाऊ के पिता ज़मींदार रामकृष्ण राव ने दी थी।

आज भी यह ऐतिहासिक विरासत ज़िंदा है, और डोये परिवार (सतीशराव) की तीसरी और चौथी पीढ़ी के साथ-साथ पाँचवीं पीढ़ी के बच्चे भी इस महल में खुशी-खुशी रहते हैं।

दहेगांव-किडंगीपार मार्ग दलदल में हुआ गायब..

आवागमन में हो रही भारी परेशानी..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगांव तहसील के दहेगांव-चिलचाड़बांध-शिवनी-किडंगीपार ग्रामीण मार्ग की बरसात में हालत बेहद खराब हो गई है। सड़क पर कीचड़, पानी से भरे गड्ढों और वाहनों के पहियों से

बने गहरे निशानों के कारण आवागमन जोखिम भरा बन गया है। दोपहिया, चारपहिया और स्कूल वाहनों के चालकों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण यह महत्वपूर्ण मार्ग विकास के बजाय परेशानी का कारण बन गया है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खनिज उत्खनन परियोजनाओं और खदानों से सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति लोगों में नाराजगी का कारण बनी हुई है। इस मार्ग से प्रतिदिन विद्यार्थी, किसान, मजदूर, महिलाएं, मरीज और अन्य ग्रामीण शहर की ओर आवागमन करते हैं। बरसात के दौरान सड़क पर फिसलन और गहरे गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। कई बार वाहन कीचड़ में फंस जाने से यातायात भी बाधित हो जाता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई वर्षों से सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। संबंधित विभाग से बार-बार शिकायत और मांग करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हर वर्ष बरसात में यही स्थिति दोहराई जाती है। नागरिकों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग तथा जनप्रतिनिधियों से संयुक्त निरीक्षण कर इस मार्ग का शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण और स्थायी निर्माण कराने की मांग की है।

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

पसीना, मेहनत और कला का अद्भुत संगम... गणेशोत्सव की तैयारियाँ शुरू।
छाया - प्रा.गणेश भदाडे।

रेलवन ऐप 4.55 करोड़ डाउनलोड और प्रतिदिन औसतन 9.65 लाख टिकट बुकिंग के साथ यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय रेल यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों के लिए अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन '(रेलवन)' उपलब्ध कराई गई है,

जो भारतीय रेल की विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराते हुए वन-स्टॉप डिजिटल सॉल्यूशन के रूप में कार्य कर रही है। इस ऐप के माध्यम से यात्री घर बैठे ही अनारक्षित टिकट बुक करने के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण रेल सेवाओं का भी लाभ आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

अब तक इस ऐप को 4.55 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। औसतन, रेलवन ऐप पर प्रतिदिन लगभग 9.65 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं (2.75 लाख आरक्षित और 6.89 लाख अनारक्षित)। यात्री इस ऐप का इस्तेमाल करके बहुत आसानी से आरक्षित और अनारक्षित दोनों तरह के टिकट बुक कर सकते हैं।

अनारक्षित टिकटों पर 3प्रति. छूट..

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने तथा नकदरहित लेन-देन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है।

यह छूट केवल रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर ही उपलब्ध है तथा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा वेबसाइट पर लागू नहीं है।

रेलवन ऐप से टिकट खरीदने के लाभ.. कतारों से मुक्तिः टिकट काउंटर की लाइनों में लगने की जरूरत नहीं पड़ती। समय की बचतः मोबाइल फोन से कुछ ही मिनटों में टिकट बुक हो जाता है। सुविधाजनक यात्राः दैनिक यात्रियों, छात्रों और कामकाजी लोगों के लिए बेहद उपयोगी है।

स्टेशन पर कम भीड़ः डिजिटल टिकट होने से स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रित रहती है। चिल्हर (छुट्टे पैसे) से राहत नकद लेन-देन न होने से चिल्हर की समस्या खत्म होती है। सुरक्षित लेन-देनः फर्जी नोटों का जोखिम नहीं रहता और भुगतान पूरी तरह पारदर्शी है।

रेलवन ऐप के माध्यम से उपलब्ध प्रमुख सुविधाएं घर बैठे अनारक्षित टिकट की बुकिंग। अनारक्षित टिकट बुकिंग डिजिटल भुगतान पर 3 प्रतिशत तक की छूट। आरक्षित टिकट बुकिंग एवं पीएनआर संबंधी सुविधाएं। ट्रेन की वास्तविक समय स्थिति एवं रनिंग स्टेटस की जानकारी। शिकायत दर्ज करने एवं उसकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग की सुविधा। ई-कैटरिंग के माध्यम से पसंदीदा भोजन ऑर्डर करने की सुविधा। एक ही लॉगिन से भारतीय रेल की अनेक डिजिटल सेवाओं का उपयोग।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने बताया कि रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को रेलवे के आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना, डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देना तथा यात्रा को अधिक सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे रेलवन ऐप डाउनलोड कर टिकटों की बुकिंग करें तथा अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर 3 प्रतिशत तक की छूट सहित रेलवे की अनेक डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाएं।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
■ (IUI) आय.यू.आय.
■ अधिक उम्र में मातृत्व
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ सोनोग्राफी
■ हार्मोंस की जांच
■ हार्मोंस की गड़बड़ी की ईलाज
■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

JAIN RESORT
शांत, सुरम्य नवेगांव नागझिरा फॉरेस्ट के पास स्थित
Relaxation at its Peak
VEG

जैन रिसॉर्ट्स
उपलब्ध सेवाएं..
■ शादी, रिसेप्शन, व अन्य छोटी बड़ी पार्टीयां सभी सुविधाओं के साथ..
■ लॉन व रिसॉर्ट 2 लाख फीट में..
■ सभी 80 रुम, 2 बेंक्वेट हॉल एसी
■ घराती बाराती 300 एवं मेहमानों की व्यवस्था..
■ स्वीमिंग पुल, भव्य गार्डन..
■ लिफ्ट सुविधा, 24 ग 7 विद्युत सुविधा..
अन्य सभी सुविधाएं आवश्यतानुसार..कैटरींग, सजावट, फूल सजावट, स्टेज की व्यवस्था..
पता - गराड़ा, मुंडीपार, तहसील - गोरेगांव, जिला गोंदिया 441801 (महाराष्ट्र)
N-H- 753 गोंदिया से 17 किलोमीटर दूर..
संपर्क करें..
नमन जैन
9049223444
ऑफिस
9270175557

सावधान! गोंदिया शहर में अब मॉर्निंग वॉक के लिये भी सुबह सुबह निकलना खतरनाक..

सुबह सुबह 68 वर्षीय बुजुर्ग पर धारदार हथियार से हमला कर अज्ञात हमलावरों ने लूटी सोने की चेन और अंगूठी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अगर आप महिला हों या पुरुष, या फिर युवक या युवती, अगर आप अकेले मॉर्निंग वॉक के लिये भी किसी सुनसान क्षेत्र या भीड़ से दूर किसी स्थान पर निकल पड़े हों, तो यह आपके लिये खतरनाक हो सकता है, इस स्थिति में सुनेपन और आपके अकेलेपन का फायदा कोई भी चोर लुटेरा उठा सकता है, और फिर आपके ऊपर जानलेवा हमला भी कर सकता है।

जी हां, गोंदिया शहर में ऐसी ही एक वारदात घटित हुई है, जिसमें अज्ञात हमलावरों ने शहर के सूर्याटोला स्थित बांध तालाब परिसर में मॉर्निंग वॉक पर निकले 68 वर्षीय बुजुर्ग पर दिनदहाड़े धारदार हथियर से जानलेवा हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से बुजुर्ग पर हमला करने के बाद उनके गले से सोने की चैन और हाथ की अंगूठी लूट ली तथा मौके से फरार हो गए।

घायल बुजुर्ग का एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है। संपूर्ण मामले के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूर्याटोला निवासी प्रदीप अपाले उम्र 68 वर्ष दिन बुधवार दिनांक 23 जुलाई को सुबह करीब 7 बजे करीब बांध तालाब परिसर में मॉर्निंग वॉक कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात युवक ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

आरोपी ने धारदार हथियार से उनके सिर पर दो वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद हमलावर ने घायल अवस्था में पड़े प्रदीप अपाले के गले से सोने की चेन और हाथ की सोने की अंगूठी लूट ली और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रामनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का पंचनामा कर जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

नागरिकों में दहशत..

गौरतलब है कि बांध तालाब परिसर को मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए सुरक्षित माना जाता है, तथा यहां पर बड़ी संख्या में आस पास के लोग मॉर्निंग वॉक के लिये पहुंचते हैं, तथा ऐसे स्थान पर सुनेपन और बुजुर्ग के अकेलेपन का फायदा उठाकर अज्ञात हमलावर ने अपने मंसूबों को अंजाम दे दिया।

पहले भी हो चुकी है चैन स्नेचिंग की वारदात..

गौरतलब है कि विभिन्न शहरों की तरह गोंदिया में भी विगत कुछ माह पूर्व चैन स्नेचिंग की घटना हो चुकी है, जिसमें महिलाओं के गले पर हाथ डालकर सोने की चैन लूटकर हमलावर भाग खड़े हुए। जानकारी के अनुसार उक्त हमलावरों को पुलिस पकड़ने में नाकामयाब भी रही थी, तथा एक बार फिर इस तरह की घटना सामने आने के बाद नागरिकों को सावधान रहने की भी आवश्यकता है।

घर से बाहर निकलें तो जोखिम साथ में ना लें..

गौरतलब है कि गहनों के शौकीन महिलाएं हो या फिर पुरुष, अपने हाथों में अंगुठी, सोने की चैन आदि जब पहने होते हैं, तो किसी का ध्यान उनकी ओर जाए या ना जाए, लेकिन शातिर चोर उचक्कों की नजरें जरुर उन पर हो सकती है। इस स्थिति में चोर गहने हथियाने के लिये रैकी करके अवसर की तलाश में होकर अपने मकसद को अंजाम दे सकते हैं, इसलिये इस तरह की घटनाओं से बचने के लिये अच्छा होगा यदि लोग सुरक्षित स्थानों पर जाएं, एवं गहनों का शौक सार्वजनिक रुप से ना करें, नहीं तो आपके शौक का चोर लुटेरे फायदा उठा सकते हैं।

लोकनेता पूर्व उप मुख्यमंत्री, स्व. अजीत दादा पवार की स्मृति में

राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा गोंदिया एवं रजेगांव में किया गया भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

लोकनेता स्वर्गीय अजीत दादा पवार की जयंती के पावन अवसर पर जनसेवा सप्ताह कार्यक्रम आयोजित कर संपूर्ण गोंदिया जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी द्वारा सेवा कार्यक्रमों के आयोजन

किये जा रहे हैं। इसी क्रम में गोंदिया के वैभव लॉन में भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं निदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सांसद प्रफुल पटेल एवं सांसद राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। 23 जुलाई को आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में गोंदिया एवं आसपास के क्षेत्रों से आए 200 से अधिक नागरिकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के दौरान अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्थानीय लोगों ने इस स्वास्थ्य पहल का स्वागत करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय वैभव लॉन की प्रबंधन टीम का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

रजेगांव में भी आयोजित किया गया भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर.

गौरतलब है कि जनसेवा सप्ताह के अंतर्गत लोकनेता स्व. अजितदादा पवार की जयंती के अवसर पर गोंदिया तहसील के रजेगांव स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सांसद श्री प्रफुल्ल पटेल एवं सांसद श्री राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न बीमारियों की जांच, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर के सफल आयोजन में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सकों की टीम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. कुसुमाकर घोरपड़े, शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पटले, डॉ. संजय माहुले, डॉ. आनित आटे, डॉ. गुरुप्रकाश खोब्रागड़े, डॉ. रणजीत खरोले, डॉ. आरुष मुंडे, डॉ. मयूर मेश्राम, डॉ. मोहित गजभिये, डॉ. सुप्रिया बोरकर सहित चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान केतन तूरकर, अखिलेश सेठ सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सक एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रीन गोंदिया अभियान के तहत श्रीराम वृक्षारोपण समिति द्वारा प्रशासकिय कार्यालय में किया गया वृहद वृक्षारोपण..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर व जिले में वृक्षारोपण के कार्य में निरंतर अग्रसित होकर श्रीराम वृक्षारोपण समिति कार्य कर रही है। गोंदिया शहर व जिले में अनेक स्थानों पर लहलहाते वृक्ष श्रीराम वृक्षारोपण समिति के योगदान को प्रदर्शित करते हैं, तथा इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के

वृक्षारोपण अभियान के तहत ग्रीन गोंदिया का संकल्प लेकर आज 23 जुलाई 26 को नवीन प्रशासकीय इमारत (तहसील कार्यालय) जयस्तंभ चौक गोंदिया में वृक्षमित्र उपविभागीय अधिकारी श्री चंद्रभान खंडाईत, अपर तहसीलदार श्री श्रीकांत कॉमडे एवं तहसीलदार श्री शमशेर पठान के करकमलो द्वारा 3000 वृक्षों के वृक्षारोपण के तहत श्रीराम उद्यान नं. 12 के प्रयासों को अंजाम देते हुए वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में श्रीराम वृक्षारोपण समिति के श्याम अग्रवाल (अध्यक्ष), अपूर्व अग्रवाल (सचिव), अशोक अग्रवाल, सुजीत सिंघानिया, भीकम शर्मा, जयंत अग्रवाल, रोशन जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, पंकज अग्रवाल, शिव अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, जिला श्रमिक पत्रकार संघ के अध्यक्ष अल्ताफ शेख एवं उनकी टीम, लायंस क्लब राइस सिटी की अध्यक्ष माधुरी नासरे, सचिव रुचिता चौहान, श्रीकृष्ण गोरक्षण सभा के राम अग्रवाल, गिरिराज गौ सेवा समिति के पंकज अग्रवाल, अग्रवाल समाज के सचिव आकेश अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के देवेश मिश्रा, लोकेश मिश्रा एवं अन्य नागरिक उपस्थित थे।

SONO VIEW

SONOGRAPHY

X-RAY

CT SCAN
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com